राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 16 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-50 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समंदर का पानी पी सकेंगे, लक्षद्वीप में बन रहा प्लांट

● यह 1000 मी गहराई से पानी लाकर पीने लायक बनाएगा

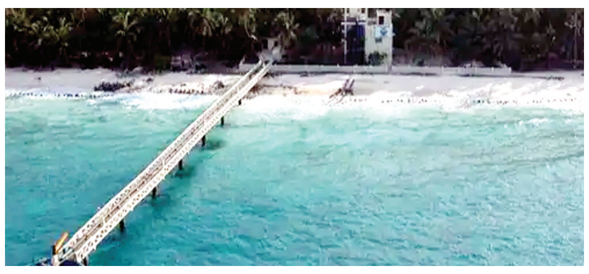

कवरत्ती (एजेंसी)। चारों ओर समुद्र से घिरे द्वीपों की दो सबसे बड़ी चुनौती होती हैं- पीने का मीठा पानी और सस्ती ऊर्जा। लक्षद्वीप में इन दोनों का समाधान समुद्र ही देने वाला है। राजधानी कवरत्ती में ऐसा प्लांट तैयार हो रहा है जो समुद्र के तापमान के अंतर से बिजली पैदा करेगा और उसी प्रक्रिया में समुद्री पानी को पीने के पानी में बदलेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) ने ऐसी क्रांतिकारी तकनीक पर काम शुरू किया है, जो इस साल के अंत तक दुनिया के लिए मिसाल बन जाएगी। यह दुनिया का पहला ऐसा हाइब्रिड प्लांट होगा जो समंदर की लहरों से शुद्ध पानी और चौबीसों घंटे बिजली भी पैदा करेगा। नया प्लांट ओशन थर्मल एनर्जी कन्वर्जन (ओटीईसी) तकनीक पर आधारित है। इसमें समुद्र की सतह का गर्म पानी व गहरे समुद्र का ठंडा पानी इस्तेमाल होगा। गर्म पानी को वैक्यूम में डालकर भाप बनाई जाएगी, यह भाप टरबाइन घुमाकर बिजली पैदा करेगी। फिर गहरे समुद्र से लाए गए ठंडे पानी से भाप को ठंडा करके मीठा पानी तैयार किया जाएगा।

दुबई और अबू धाबी की कई उड़ानें रद्द

● भारतीय विमानन कंपनियों की एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने बड़ा फैसला लिया है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और इंडिगो ने रविवार को दुबई और अबू धाबी जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह फैसला ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष और हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों की वजह से लिया गया है। एयर इंडिया समूह ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एयरपोर्ट अधिकारियों ने नए निर्देश जारी किए हैं। इस कारण 15 मार्च की उड़ानों में कटौती करनी पड़ी है। एयर इंडिया ने दिल्ली से दुबई के बीच सिर्फ एक वापसी उड़ान चलाने का फैसला किया है। दुबई के लिए तय पांच उड़ानों में से चार को रद्द कर दिया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी ऐसी ही है। इसने दुबई के लिए अपनी छह में से पांच उड़ानें रद्द कर दी हैं। दिल्ली से दुबई के लिए सिर्फ एक वापसी उड़ान चलेगी। इसके अलावा, अबू धाबी जाने वाली सभी पांच उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज

हल्की हवाओं के साथ बूंदाबांदी, लोगों को गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज सवेरे से मौसम के मिजाज बदले हुए हैं। एनसीआर में बूंदाबांदी की खबर है। साथ में हल्की हवाएं भी चल रही हैं। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। नोएडा समेत एनसीआर के कई इलाकों में आसमान पर घटा छाई हुई हैं। ठंडी हवा चल रही है और बादलों की गड़गड़ाहट के बीच बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कहा था कि रविवार से दिल्ली-एनसीआर का मौसम करवट लेगा। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। अलर्ट में कहा गया है कि इस दौरान गरज और बिजली के साथ तेज सतही हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। झोंकों में यह 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकतीं हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री और न्यूनतम 17-19 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 16-17 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन में तेज सतही हवाओं की गति 15-30 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री और न्यूनतम 14-17 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं, 18 मार्च को हल्की बारिश और गरज के साथ तेज हवाओं का दौर संभव है। हवाओं की गति 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों में 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी। अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री और न्यूनतम 17-19 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इसके अलावा, 19 और 20 मार्च को मौसम सामान्य रहेगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे।

हवा चलने से खुशनुमा रहा मौसम

शनिवार को दिनभर तेज धूप से लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। हालांकि, हवा चलने से मौसम खुशनुमा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान अधिकतम तापमान 33.2 और न्यूनतम 18.1 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 83 प्रतिशत और न्यूनतम 24 प्रतिशत रही। मौसम विभाग के अनुसार, रिज और आया नगर में 33.2, लोधी रोड में 33 और पालम में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री दर्ज किया गया।

चुनाव का ऐलान: पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग

तमिलनाडु में 23 अप्रैल, असम-केरल-पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोटिंग, सभी के नतीजे 4 मई को

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। तमिलनाडु में सिंगल फेज में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं तीन राज्य केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज यानी 9 अप्रैल वोटिंग होगी। रिजल्ट 4 मई को आएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों- यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता और 824 सीटें हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि पिछले 12 महीने में चुनाव आयोग ने पारदर्शिता लाने के लिए कई नए प्रयोग किए। पहला था रक्फ़ जिसमें यह निश्चित किया गया कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में न रहे। दूसरा- मोबाइल फोन पोलिंग स्टेशन के बाहर ही रखा जाएगा। वोट देने के बाद उसे वापस ले सकेंगे। इसके साथ ही 5 राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाएगी। 2021 में इन सभी पांच राज्यों के चुनाव का ऐलान 26 फरवरी को किया गया था। पिछली बार बंगाल में 8 चरणों में चुनाव हुए थे। असम में 3 और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई में खत्म हो रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए चारों राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर 100% वेबकास्टिंग की सुविधा प्रदान करेगा। पहला सवाल: बंगाल चुनाव 2 चरणों में चुनाव की तैयारी, आरोप: BJP के लिए काम करते हैं। महाभियोग का नोटिस है। दूसरा सवाल: रक्फ़ की सप्लिमेंट्री लिस्ट कब आएगी। तीसरा सवाल: ममता ने आधे घंटे पहले घोषणाएं की हैं। चुनाव आयुक्त ने कहा कि तारीखों के ऐलान से पहले आचार संहिता नहीं थी। लेकिन अब लागू है। आयोग ने चुनाव के फेज कम करने के लिए तैयारी की है। यह हर किसी के लिए सुविधाजनक होगा। पिछले चुनावों में हिंसा का इतिहास देखते हुए चुनाव में पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

चुनाव आयुक्त ने कहा: हमने पांचों राज्यों का दौरा किया

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, हमने पिछले दिनों चुनाव की तैयारियों के लिएअ सम, केरल, तमिलनाडु बंगाल और पुडुचेरी के वोटर्स का दौरा किया। हम सभी दलों से मिले। उनके विचार और सुझाव जाने। आयोग ने चीफ इलेक्टर ऑफिसर से भी मुलाकात की। इछड को सम्मानित किया

उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

■ पुंछ में ऑपरेशन शेरीकलां के दौरान जवान शहीद

पुंछ/उरी (एजेंसी)। कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में 'ऑपरेशन DIGGI-2' के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। यह कार्रवाई तब हुई जब भारतीय सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा यानी छङ्गउ के पास कुछ हलचल देखी। इसके बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन चलाया। 14-15 मार्च की रात बुछार इलाके में घुसपैठ कर रहे आतंकी ने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें आतंकी मारा गया। सेना ने आतंकी के पास से हथियार बरामद किए हैं, जिसमें एक अड राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद शामिल हैं। ऑपरेशन फिलहाल जारी है। वहीं, शनिवार को पुंछ में जारी 'ऑपरेशन शेरीकलां' के तहत एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (JCO) शहीद हो गया। जवान का नाम सूबेदार संदीप कुमार ढाका है। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि ढाका सुरनकोटे के ऊबड़-खाबड़ इलाके में ड्यूटी करते समय फिसलकर गिर गए थे। व्हाइट नाइट कोर ने शनिवार को बताया कि सूबेदार संदीप कुमार ढाका ऑपरेशन शेरीकलां के दौरान सुरनकोटे में दोपहर करीब 2.30 बजे ड्यूटी कर रहे थे। इसी बीच वे फिसलकर जमीन पर गिर गए। उसके बाद उन्होंने कोई प्रतिक्रिया देना बंद कर दिया। उन्हें तुरंत पोथा के मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की पूरी कोशिशों के बावजूद, जवान को बचाया नहीं जा सका।

'संसद के दरवाजे पर चाय-पकौड़े खाते हैं और विरोध करते हैं', राहुल पर बरसे शाह

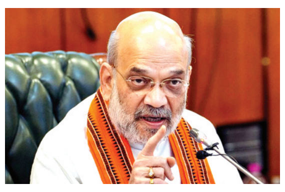

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट बढ़ गई है। आरोप-प्रत्यारोप की तेज होती सियासत के बीच राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रण में अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच दो दिवसीय असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में नवनिर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई नई परियोजनाओं की शुरूआत भी की। इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था है और वहां इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी-कभी संसद के दरवाजे पर बैठकर चाय और पकौड़े खाते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं। उनके अनुसार संसद परिसर ऐसा स्थान नहीं है जहां इस तरह का प्रदर्शन किया जाए। शाह ने कहा कि इससे देश की छवि दुनिया में खराब होती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार का विरोध करने और प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन संसद के अंदर चर्चा करने के बजाय इस तरह का तरीका अपनाना सही नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि संसद में बहस से बचना और बाहर इस तरह की गतिविधियां करना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। गृह मंत्री ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग भारत की ताकत और युवाओं की क्षमता देखने आते हैं, तब इस तरह के कदम देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं।

अमेरिका-इजराइल से बातचीत करने को तैयार ईरान

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आज कहा कि अगर जंग खत्म करने की ठोस गारंटी मिलती है तो हम अमेरिका-इजराइल से बातचीत को तैयार है। उनका कहना है कि किसी भी ऐसे प्रस्ताव का स्वागत किया जाएगा जिससे युद्ध खत्म हो सके। इस बीच खाड़ी देशों ने ईरान से अपने इलाकों पर हमले बंद करने की मांग की है। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को ढूंढकर मारने की धमकी दी थी। अल जजीरा के मुताबिक, IRGC ने कहा कि बच्चों का हत्यारा अगर जीवित है, तो पूरी ताकत से उसका पीछा करेंगे और उसे मार देंगे। ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भी कहा था कि मुजतबा घायल हो गए हैं।

दत्तात्रेय होसबाले बोले: ईरान युद्ध पर भारत का स्टैंड सही

संघ चाहता है कि दुनिया में शांति हो, भारतीयता-हिंदुत्व मानसिकता नहीं जीवनशैली है

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के आखिरी दिन रविवार को सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच ईरान को लेकर भारत के स्टैंड पर कहा कि भारत हित में सरकार सही कर रही है, ऐसा विश्वास है कि सरकार का स्टैंड सही है। उन्होंने कहा कि संघ पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंधों पर जोर देता है। बांग्लादेश और नेपाल में सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद नई सरकारें बनी हैं। दोनों देशों में शांति-स्थिरता और उनका भारत के साथ अच्छा संबंध पूरे एशिया के विकास और सुरक्षा के लिए जरूरी है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर भी चिंता जताई। होसबाले ने कहा- भारतीयता क्या है, हिंदुत्व क्या है, इसकी एक स्पष्ट अवधारणा होनी चाहिए। यह केवल एक मानसिकता नहीं बल्कि एक जीवनशैली है। सवाल- क्या आरएसएस के स्ट्रक्चरल बदलाव होने जा रहा है? जवाब: दायित्व में कुछ बदलाव होगा, तो उसके बारे में घोषणा की जाएगी। कुछ चीजें सार्वजनिक की जाएंगी। सवाल: ईरान के प्रति भारत के स्टैंड पर संघ की क्या राय है? जवाब: जो हो रहा है उसमें संघ की भूमिका नहीं है। ऐसा विश्वास है कि भारत सरकार देश के हित में सही काम कर रही होगी। संघ चाहता है कि दुनिया में शांति हो। सवाल: संघ में मुस्लिम और महिलाओं को मेंबरशिप पर क्या स्टैंड है? जवाब: किसी भी मजहब का व्यक्ति यहां आ सकता है, भगवा झंडे को प्रणाम कर सकता है। मुस्लिम कार्यकर्ता पहले भी संघ में बहुत हैं। महिलाओं के संघ में भूमिका पर कहा कि सिर्फ शाखा की वर्किंग में महिलाएं शामिल नहीं होतीं, लेकिन संघ की अन्य और भी कार्य प्रणाली है जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। सवाल: बेसहारा गोवंश को लेकर संघ क्या कर रहा है? जवाब: सरकार और नगर निगम लगातार प्रयास कर रही है। लेकिन लोगों को समझना होगा कि गाय सिर्फ दूध के लिए ही नहीं है, उनका मूत्र, गोबर भी बहुत उपयोगी है। इसीलिए उन्हें सड़कों पर बेसहारा नहीं छोड़ना चाहिए। सवाल: BJP से RSS का क्या संबंध है? जवाब: हमारी देश के लिए बहुत विचारधाराएं हैं। इन विचारधाराओं को सिर्फ BJP ने ही अपनाया। बाकी पार्टियों ने RSS के

पंजाब में राष्ट्रीय सिख संगत को एक्टिव करेंगे

आरएसएस पंजाब को एक चुनौती के रूप में ले रही है। वहां कभी भाजपा अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है। असल में पंजाब की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में कट्टर हिंदुत्व की विचारधारा का सिखों के साथ तालमेल बैठना आसान नहीं। इसलिए पंजाब में राष्ट्रीय सिख संगत को नए सिरे से एक्टिव किया जाएगा। संघ यह मैसेज देना चाहता है कि सिखों और हिंदुओं का रिश्ता 'नख-मांस' जैसा है। पंजाब में अगले साल के शुरू में चुनाव होने हैं।

शिर्डी में साईं ट्रस्ट 200 किलो गैस रोज बचा रहा

सोलर सिस्टम से रोज बन रहा 40 हजार श्रद्धालुओं का खाना, सरकार ने यूनिक मॉडल बताया

मुम्बई (एजेंसी)। ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण दुनिया भर में ईंधन की आपूर्ति पर दबाव बढ़ने की आशंका है। ऐसे समय में शिर्डी स्थित श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट का सोलर कुकिंग सिस्टम एक मिसाल बन गया है। सौर ऊर्जा से चलने वाले इस सिस्टम से रोज हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन पकाया जा रहा है। इस सोलर सिस्टम से हर दिन करीब 2,000 किलो खाना बनाया जाता है, जो लगभग 40 हजार श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त होता है। इससे रोजाना करीब 200 किलो गैस की बचत भी हो रही है। इस अनोखी पहल को देखते हुए मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी ने भी इस प्रोजेक्ट को देश के एक यूनिक मॉडल के रूप में सम्मानित किया है। शिर्डी में रोज औसतन 75 से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। साईं संस्थान के प्रसादालय में श्रद्धालुओं को मुफ्त भोजन दिया जाता है और लगभग 40 हजार लोग हर दिन इसका लाभ लेते हैं। पहले इतनी बड़ी मात्रा में खाना बनाने के लिए करीब 1,700 किलो गैस खर्च होती थी, जिससे संस्थान पर काफी आर्थिक बोझ पड़ता था। ऊर्जा बचत और बढ़ते खर्च को देखते हुए संस्थान के ट्रस्टी मंडल ने जुलाई 2009 में सोलर कुकिंग सिस्टम लगाने का फैसला किया। इस प्रोजेक्ट पर करीब 1 करोड़ 37 लाख रुपए खर्च हुए। प्रसादालय परिसर में 73 सोलर डिश लगाई गईं, जिनकी मदद से सोलर कुकर में भोजन तैयार किया जाता है। इस व्यवस्था से न सिर्फ ऊर्जा की बचत हो रही है, बल्कि पर्यावरण को भी फायदा मिल रहा है। इसके अलावा साईं संस्थान ने सौर ऊर्जा से श्रद्धालुओं के लिए गर्म पानी की सुविधा भी शुरू की है, जिससे नए श्रद्धालु निवास, द्वारावती और साईं आश्रम जैसी जगहों पर रोज 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं को 24 घंटे मुफ्त गर्म पानी मिल रहा है।

10 क्विंटल दाल सब्जी,15 क्विंटल चावल रोज पक रहा

प्रसादालय में 150 लीटर क्षमता के 10 बड़े कुकर लगाए गए हैं। इस प्रणाली द्वारा एक समय में 15 क्विंटल चावल, 5 क्विंटल दाल और 5 क्विंटल सब्जी पकाई जा सकती है। 2009 से 2026 तक की अवधि में इस प्रणाली के कारण दो लाख किलो से अधिक गैस की बचत हुई है। संस्थान की दो करोड़ रु. से ज्यादा की आर्थिक बचत हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रम्प की टैरिफ राजनीति और भारत के खिलाफ आर्थिक दबाव की नई रणनीति

आने वाले समय में इस जांच की प्रक्रिया के तहत विभिन्न देश और कंपनियां अपनी दलीलें प्रस्तुत करेंगे। मार्च से इस प्रक्रिया की शुरुआत होगी और मई में सुनवाई के बाद अमेरिका कोई फैसला ले सकता है। यदि अमेरिका को अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार मिल जाता है तो वह इन देशों पर नए टैरिफ लागू कर सकता है। फिर भी कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी प्रक्रिया वास्तव में दबाव की रणनीति हो सकती है जिसका उद्देश्य व्यापारिक वार्ता में बेहतर शर्तें हासिल करना है।

(लेखक– कांतिलाल मांडोत)

वैश्विक व्यापार की राजनीति अक्सर केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं रहती बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक रणनीतियां और शक्ति संतुलन की जटिल चालें भी छिपी होती हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत और चीन सहित 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ तथाकथित अनुचित व्यापार व्यवहार की जांच शुरू करना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही यह नीति केवल व्यापारिक नियमों का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बढ़ते देशों को नियंत्रित करने का प्रयास भी मानी जा रही है।

पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

अमेरिका का आरोप है कि कुछ देश अपनी घरेलू जरूरत से अधिक उत्पादन करते हैं और उस अतिरिक्त माल को सस्ते दामों पर वैश्विक बाजार में बेचते हैं। इसे डंपिंग कहा जाता है। साथ ही अमेरिका यह भी दावा करता है कि कई देश सरकारी सब्सिडी देकर अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाते हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। अमेरिका का यह भी कहना है कि कुछ देश अपनी मुद्रा को कमजोर बनाए रखते हैं जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा मिलता है और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होता है।

हालांकि इस पूरे मामले को केवल आर्थिक तर्कों के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं तेजी से वैश्विक व्यापार और उत्पादन के केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख कर रही हैं। ऐसे समय में अमेरिका द्वारा इस प्रकार की जांच शुरू करना कई विशेषज्ञों को रणनीतिक दबाव की नीति जैसा प्रतीत होता है।

ट्रम्प प्रशासन की यह नीति दरअसल अमेरिका फर्स्ट के उस सिद्धांत से जुड़ी है जिसे ट्रम्प ने अपने राजनीतिक अभियान का आधार बनाया था। उनका मानना रहा है कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुंचाया है। इसी सोच के तहत उन्होंने पहले भी कई देशों पर टैरिफ लगाए थे और व्यापारिक समझौतों को दोबारा बातचीत के लिए मजबूर किया था।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह नीति वैश्विक व्यापार के लिए अस्थिरता पैदा करती है। यदि अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ लगातार टैरिफ का इस्तेमाल करता है तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव बढ़ेगा। इसका असर केवल संबंधित देशों पर ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत के संदर्भ में यह मामला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। ऐसे समय में यदि बड़े बाजार भारत के निर्यात पर टैरिफ लगाने लगते हैं तो इससे भारतीय उद्योगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

हालांकि यह भी सच है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक कूटनीति को मजबूत किया है। भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि एक बड़ा उत्पादन केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसी नीतियों ने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। इसके अलावा भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं जिससे उसके निर्यात के नए रास्ते खुल रहे हैं।

अमेरिका द्वारा शुरू की गई इस जांच में भारत के अलावा चीन यूरोपीय संघ जापान दक्षिण कोरिया मैक्सिको वियतनाम ताइवान थाईलैंड मलेशिया कंबोडिया सिंगापुर इंडोनेशिया बांग्लादेश स्विट्जरलैंड और नॉर्वे जैसे देश भी शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम केवल किसी एक देश के खिलाफ नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक व्यापार रणनीति का हिस्सा है।

आने वाले समय में इस जांच की प्रक्रिया के तहत विभिन्न देश और कंपनियां अपनी दलीलें प्रस्तुत करेंगे। मार्च से इस प्रक्रिया की शुरुआत होगी और मई में सुनवाई के बाद अमेरिका कोई फैसला ले सकता है। यदि अमेरिका को अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार मिल जाता है तो वह इन देशों पर नए टैरिफ लागू कर सकता है। फिर भी कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी प्रक्रिया वास्तव में दबाव की रणनीति हो सकती है जिसका उद्देश्य व्यापारिक वार्ता में बेहतर शर्तें हासिल करना है। अमेरिका अक्सर इस तरह की जांच और टैरिफ की धमकी का उपयोग अपने व्यापारिक साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए करता रहा है।

भारत के लिए इस स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए मजबूत कूटनीतिक और आर्थिक रणनीति अपनाए। भारत को अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण करना होगा और घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत बनाना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपने अधिकारों की रक्षा करना भी जरूरी होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि वैश्विक व्यापार का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। बड़े देश अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए नए नए औजारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे इन दबावों के बीच भी अपनी विकास यात्रा को जारी रखें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत जगह बनाएं।

(रु103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संपादकीय

पांच राज्यों में चुनावी बिगुल

इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की भी परीक्षा लेंगे। इनमें प्रमुख हैं भाजपा एवं कांग्रेस। वैसे तो केरल में वाम मोर्चे की सरकार का नेतृत्व कर रही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी भी राष्ट्रीय दल है, लेकिन उसकी हैसियत क्षेत्रीय दल सरीखी रह गई है। चार राज्यों–असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही यह प्रश्न सतह पर आ गया कि इन राज्यों के नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को क्या दशा–दिशा प्रदान करेंगे? इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव यह भी बताएंगे कि अपने–अपने राज्यों में सत्तारूढ़ दलों के विरुद्ध सत्ता विरोधी रुझान प्रभावी साबित होगा या नहीं? यह बहुत कुछ राज्य सरकारों के कामकाज के प्रति आम जनता के रवैये पर निर्भर करेगा। आम तौर पर सभी सरकारों को कुछ न कुछ सत्ता विरोधी रुझान का सामना करना पड़ता है, लेकिन जो सरकारें लंबे समय तक सत्ता में रहती हैं, उनके खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान के प्रभावी होने के आसार बढ़ जाते हैं। इस दृष्टि से तीसरा कार्यकाल पूरा कर रही बंगाल की तृणमूल सरकार और अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहीं केरल की वाम मोर्चा सरकार और असम की भाजपा सरकार प्रमुख हैं। इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की भी परीक्षा लेंगे। इनमें प्रमुख हैं भाजपा एवं कांग्रेस। वैसे तो केरल में वाम मोर्चे की सरकार का नेतृत्व कर रही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी भी राष्ट्रीय दल है, लेकिन उसकी हैसियत क्षेत्रीय दल सरीखी रह गई है। यदि असम में भाजपा के सत्ता में पुनः आने की संभावना है तो केरल में कांग्रेस के लिए भी कुछ संभावनाएं दिख रही हैं, लेकिन तथ्य यह है कि इस राज्य में कांग्रेस की स्थिति बहुत अच्छी नहीं। वह गुटबाजी से भी ग्रस्त है। कांग्रेस असम में भी भाजपा को चुनौती देने का प्रयत्न करेगी, लेकिन यहां भी उसकी हालत कोई बहुत अच्छी नहीं। अभी हाल में उसके एक प्रमुख नेता भाजपा में शामिल हो गए। तमिलनाडु में भी कांग्रेस कुल मिलाकर सत्तारूढ़ डीएमके के रहमोकरम पर ही है। डीएमके उसे 25–30 से अधिक सीटें देने को तैयार नहीं। तमिलनाडु के पड़ोसी केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में गठबंधन सरकार है, जिसमें भाजपा भी शामिल है। फिलहाल उसके समक्ष कोई बड़ी चुनौती नहीं, लेकिन चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि यहां किसकी सरकार बनती है। राज्यों के चुनाव में क्षेत्रीय मुद्दे ही अधिक प्रभावी होते हैं, लेकिन कुछ राष्ट्रीय मुद्दे भी अपना असर दिखाते हैं। एसआइआर का मुद्दा सभी गैर–भाजपा शासित राज्यों में गर्म हो सकता है। बंगाल में तो इसे तृणमूल कांग्रेस की ओर से विशेष रूप से उभारा जाएगा। इसके जवाब में भाजपा यहां घुसपैठियों के मुद्दे को जोर–शोर से उठाएगी, लेकिन यह समय ही बताएगा कि वह वांछित सफलता हासिल कर पाएगी या नहीं? इन चुनावों की एक अच्छी बात यह है कि बंगाल में दो चरणों में और अन्य सभी में एक चरण में मतदान होगा।

इच्छा मृत्यु ईश्वरीय प्रकिया के खिलाफ

(लेखक - संजय गोस्वामी)

भारत के इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छा मृत्यु की अनुमति दी है. कोर्ट ने 13 साल से ज़्यादा समय से कोमा में 32 साल के हरीश राणा का लाइफ़ सपोर्ट (जीवनरक्षक मशीनें) हटाने की मंज़ूरी दे दी है. जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले पर फ़ैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैसिव यूथेनेशिया पर व्यापक क़ानून बनाने पर विचार करने को भी कहा है. कोर्ट ने एम्स–दिल्ली को यह भी निर्देश दिया है कि लाइफ़ सपोर्ट हटाने के लिए एक ख़ास योजना तैयार की जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज़ की गरिमा और सम्मान बना रहे जीवन और मौत संसार की एक प्रक्रिया है। जीवन और मृत्यु में सिर्फ साँसो का फासला है जो 1सेकंड का है जब ब्रेन से हर्ट से ऑक्सीजन सप्लाई बन्द हो जाता है इसलिए कोर्ट इस पर फैसला नहीं दे सकता है क्योंकि ऐ शरीर कोर्ट ने नहीं बनाया है ऐ तो परमात्मा ने बनाया है तब परमात्मा ही उसे ले सकता है जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें हैदेखिए जीवन को मस्ती से जिए और खुश रहें जब आदमी जवान होता है तो उसकी इक्षा पढ़ने के साथ साथ काम की भी होती हैं वही आपके दु:खो का सही कारण है हमने कितने ऐसे लोगों को ट्रेन में भर भर कर मात्र 140–150सीट में बिहार में नौकरी के लिए जाते देखा है पढ़ते देखा है महीनों से जाग जाग कर लाइन में 4 बजे सुबह से दोपहर 2 बजे 12 रूपये के पोस्टल ऑर्डर के लिए मुख्य डाकखाना में 1992–95 के दौर में लाइन में लगते देखा है बिहार में और भी अन्य सटे राज्य में भी सरकारी नौकरी के लिए मारा मारी थी और उप्र में भी यही हाल था मैंने पूछा भाई आप पोस्ट ग्रेजुएशन किए हैं ऐ मैट्रिक के स्टाफ सिलेक्शन में लोअर ग्रेड एग्जाम के लिए क्यों इतना संघर्ष कर रहें हैं उसने कहा 12 रूपये में सरकारी नौकरी मिल जाएगी कम है क्या उस समय नौकरी में 3 हजार से लेकर बहुत मुश्किल से 10000 तक ही मिल पाता था यदि ग्रेड 1 की नौकरी मिले हालांकि हमने अपने लिए नहीं अपने बहन के लिए पोस्टल ऑर्डर ख़रीदा था उस समय माता पिता को भी बच्चे की नौकरी या इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन का प्रबल इक्षा रहती थी और जब किसी को नौकरी मिलती तो उसके सालों की तपस्या का फल होता था उस समय मैं सरकारी नौकरी की बात कर रहा हूँ बिहार में तो जंगलराज था नौकरी क्या कोचिंग में क्लास लेने के लिए किसी नेता से पहचान होना जरुरी था अतः बिहार जो आज है वो नीतीश कुमार के काम के कारण है अब ऐ अलग बात है आज बिहार में चुनाव में मुख्य मंत्री की दौड़ में कौन क्या कर रहा है लेकिन ऐ बात भी मान कर चलिए की नीतीश कुमार सिर्फ बिहार में ही नहीं केंद्र में भी सरकार के लिए एक सपोर्ट का काम कर रहें हैं अब मुख्य मंत्री कौन होगा ऐ तो चुनाव जितने के बाद ही तय होगा लेकिन उनकी मर्जी के खिलाफ होने पर वो पारा भी बदल लेते है और वहाँ एक राजनीती संकट आ जाता है जाने दो कितना दिन और मुख्य मंत्री रहेंगे अगर ठीक काम किया है और ईमानदार है तो इसमें मुख्य मंत्री में नीतीश कुमार की घोषणा करना एनडीए के लिए ही फायदेमंद होगा क्योंकि हाल ही में बिहार के बीजेपी के सांसद रूडीप्रताप सिंह के हाल ही में हुए कांस्टीट्यूशन क्लब में भाजपा बनाम भाजपा मुकाबला समाप्त, राजीव प्रताप रूडी ने सचिव पद पर 102 मतों से जीत दर्ज की।इसमें भी बिहार के एमपी होने के नाते नीतीश कुमार का भी हाथ था जिसे पार्टी समझ नहीं पाई थी इसलिए बिहार में नई सरकार नीतीश कुमार के बिना मुख्य मंत्री बनाने पर पाला बदल लेंगे और नुकसान होगा क्योंकि केंद्र में बहुमत नहीं है अतः उस समय जो कार्य किया वो जनहित में बिहार के विकास के लिए किया अतः 1995 के दौर में नौकरी मिलना मुश्किल था क्योंकि इन्वेस्टमेंट वहाँ कहाँ था और मुंबई या गुजरात की दुरी कितनी थी और वहाँ भी पैसे कहाँ बचते थे अतः लोग प्रायः अपने प्रदेश में ही नौकरी चाहते थे और जिसे मिली लड़की वाले के लोगों का आना उसके घर में ताँता लग जाता था और दहेज भी अच्छी खासी मिली लड़की को देखकर लड़का भी प्रेम में डूबा रहा और यही से धीरे धीरे माता पिता से दुरी बढ़ी और ईश्वर भी मनुष्य को काम का ऐसा रोग दे दिया है जो संतान उत्पति के लिए होता है लेकिन ईश्वर ने आपसी प्रेम को बरकरार रखने के लिए इस अनुठे स्पर्श से मनुष्य को माया जाल में बाँध दिया और यही से आपकी मनोवृत्ति बदल जाती है और आप उस जाल में फंस जाते हैं फिर यदि रिश्ते में दरार आयी तो कितने ने आत्महत्या भी की कितने नो एक से तो बंधे थे और भी कई लड़की से बन्ध गए जो चोरी चोरी हुआ लेकिन आप दलदल में और फँसते गए और फिर किसी आशा को लेकर ना मिलने से निराशा हुई फिर देखा देखी हुई उसको इतना मिला आपको कम क्यों मिला इससे आप टूटे लेकिन यहीं अगर भगवान राम का सही तरीके से ध्यान करेंगे तो प्रभु राम से आपको सच और गलत का अंदाजा हो जायेगा और उनके चरणविंद से आप वहाँ से बच जायेंगे क्योंकि मछुआरा अपने पैर के पास की मछली को पकड़ नहीं पाता और आप ब्लैक मेल नहीं होंगे ऐ सोच लेना सब उसी की मर्जी से हुआ है और इसमें हमारी भी गलती होगी जो है काम वासना इस पर यदि नियंत्रण हो गया तो आप कभी निराश नहीं होंगे ना ही मौत से डर लगेगा और अंतः में वही आपको मुक्ति का मार्ग दिखऐगा इसलिए निर्णय सावधानी से के शांति से काम करे और पीछे मुड़ कर ना देखें जब काम वासना अपनी ओर खींचे तो प्रभु राम का ध्यान कर लीजियेगा सब ठीक होगा भगवान राम ने हर समय आपको जीने का सही मार्ग बताया है उन्होंने जहाँ माता सीता के लिए रावण से युद्ध भी किया तो दूसरी ओर अपनी प्रजा के कहने पर छोड़ भी दिया यहीं है भगवान राम की शक्ति जिसका आभास बार बार ध्यान और कर्म से मिलेगा.जीवन और मौत की क्रिया को सिर्फ भगवान राम ही बता सकते हैं अतः अन्त में राम नाम सत्य होता है.आपको बहुत ही छोटा अवधी ही मिला है क्योंकि अधिक समय तो आप काम धंधा और सोने खाने पीने में बिता देते हैं तो आप सही में जीवन कहाँ जियें सेवा में जीवन बिताना हो तो गुरूद्वारे में जाकर देखें गुरुवों के त्याग तपस्या और बलिदान के कारण उन्होंने अपना जीवन परमात्मा के लिए मानवीय मूल्यों की रक्षा में बलिदान दिया ऐ भी प्रेरणा भगवान राम से ही मिली है जो आज काम वासना, लोभ लालच क्रोध में जीवन बिता कर जीवन का आनंद ले रहा है तो यह भ्रम है खुब मजा लेने दीजिये उसे भी ऊपर ही जाना है और आपको भी लेकिन वों अन्त समय में दुनिया छोड़ने पर अपने किए पर बहुत पछतावा होगा लेकिन आप आंनद की अनुभूति करेंगे जीवन और मृत्यु एक प्रक्रिया है लेकिन जो मनुष्य सांसारिक मोह माया को त्याग कर भगवान राम की भक्ती में अपना जीवन बिताता है उसकी समाधि तक लग जाती है अतः खुश रहें और किसी से ना डरे जो होगा प्रभु राम की कृपा से अच्छा होगा.मुझे भी अपनो ने आज दिन तक क़ोई भी मुझे इतना कस कर डांटा नहीं था इसलिए डर ऐसा हुआ है जो दुरी बढ़ा दिया है और भगवान राम ने रास्ता दिखाया खुशी से रहने का जो आनंद का सबसे बड़ा स्रोत है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

एक प्रवाह है जीवन

जीवा एक प्रवाह है। वह रुकता नहीं, बहता रहता है। जो बहता है, वही प्रवाह होता है। जिसमें ठहराव है, गतिहीनता है, वह प्रवाह नहीं हो सकता। प्रवाह स्वच्छता का प्रतीक है, जबकि ठहराव में गंदगी की संभावना बनी रहती है। प्रवाह में जीवनी शक्ति है, जबकि ठहराव में अस्तित्व का लोप संभव है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के प्रवाह को आगे बढ़ाना चाहेगा। सवाल एक ही है कि जीवन कैसा हो? भारतीय संस्कृति में उस जीवन को प्रशस्त जीवन माना गया है जो शांत हो, संतुष्ट हो, पवित्र हो और सानंद हो। शांति, संतुष्टि, पवित्रता और आनंद जीवन की महान उपलब्धियां हैं। इनका संबंध बाह्य पदार्थों से नहीं, व्यक्ति की अपनी वृत्तियों से है। पदार्थों का ढेर लग जाए तो भी वहां शांति का जन्म नहीं हो सकता। संतोष की प्राप्ति भी पदार्थ से नहीं हो सकती।

संसार की संपूर्ण सुख–सुविधाएं कदमों में आकर बिछ जाएं, फिर भी तोष का अनुभव नहीं होता। तीसरा तत्व है पवित्रता। उसका पदार्थ के साथ कोई रिश्ता ही नहीं है। पदार्थ के साथ जितना गहरा अनुबंध होता है, पवित्रता पर उतना ही सघन आवरण आ जाता है। पवित्रता नहीं है तो आनंद कहां से आएगा? आनंद का निवास तो चित्त की पवित्रता में ही होता है। ऐसी स्थिति में सार्थक जीवन जीने की आकांक्षा अधिक दूभर हो जाती है।

शांति का उत्स संयम है। जो लोग संयम से जीते हैं, विशिष्ट शांति का अनुभव करते हैं। स्वतंत्रता से संतोष की प्राप्ति होती है। सोने के पिंजरे में कैद पंछी को कितने ही मेवे–मिष्ठान मिल जाएं, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। परतंत्रता चाहे बाहर की हो, या भीतर की; वहां आत्मतोष नहीं मिल सकता। जीवन में पवित्रता तब तक नहीं उतर सकती, जब तक साधन–शुद्धि न हो। आनंद का अनुभव उस व्यक्ति को होता है जो स्वस्थ रहता है। इस प्रकार का जीवन भारतीय संस्कृति का जीवन है। ऐसा जीवन कोई भी जी सकता है, बशत्रे कि वह इतना उदात्त जीवन जीना चाहे। जीवन की सार्थकता और व्यर्थता उसकी शैली पर निर्भर है।

विचार मंथन

सीआईए का रेड अलर्ट, डोनाल्ड ट्रंप को बंकर में?

(लेखक–सनत जैन)

– अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर सारी दुनिया में

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने अमेरिका में 'क्रेडिबल थ्रेट' का अलर्ट जारी किया है। उसके बाद से अमेरिका में और घबराहट देखी जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस के अंडर ग्राउंड के बंकर में सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से वह अपना ज्यादा समय बंकर में बिता रहे हैं। व्हाइट हाउस में बना बंकर सुरक्षा के लिहाज से बेहद अत्याधुनिक है। इसे राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए आपातकालीन परिस्थितियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इस बंकर की लंबाई 761 फीट, चौड़ाई 10 फीट और ऊंचाई 7 फीट है। यहां हवा, पानी, भोजन और संचार जैसी सभी अत्याधिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ईरान ने हाल ही में मध्य पूर्व देशों के अमेरिकी ठिकानों और इजरायल के ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से घातक हमले किए हैं। इन हमलों को अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीरता से लिया है। ईरान के पास इन दिनों चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया के भी हथियार होने की संभावना देखी जा रही है। ईरान के पास बड़ी संख्या में अत्याधुनिक हथियार हैं। हथियारों के संबंध में जानकारी अमेरिका और इजरायल को तब लग पा रही है, जब ईरान उनका उपयोग कर रहा है। जिससे अमेरिका में राष्ट्रपति और महत्वपूर्ण लोगों की सुरक्षा का खतरा, गंभीर चेतावनी बनकर सामने आया है। हालांकि ईरान के पास सीधे अमेरिका तक मार करने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें या फाइटर जेट्स उपलब्ध नहीं हैं। फिर भी अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों को ड्रोन हमले, क्रूज मिसाइल, स्लीपर सेल तथा ईरान को जिस तरह के हथियारों से युद्ध में सहायता मिल रही है, उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर खतरा बढ़ गया है। यही वजह है, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने तत्काल रेड अलर्ट जारी करके सुरक्षा इंतजाम में भारी बदलाव किए हैं। इसमें सर्वोपरि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा व्यवस्था है। इसलिए ट्रम्प को सुरक्षा कर्मियों ने बंकर में रहने की सलाह दी है। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया है, अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी और सैन्य क्षमता कितनी भी अत्याधुनिक और बड़ी क्यों न हो, सुरक्षा के मामलों में अमेरिका हमेशा सतर्क रहता है। ईरान के राष्ट्रपति आयतुल्लाह खामनेई की हत्या के बाद ट्रम्प के लिए खतरा और बढ़ गया है। ईरान की ओर से लगातार धमकी मिल रही है। ईरान बातचीत करने के लिए कहीं से भी तैयार नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति को सुरक्षित रखने के लिए बंकर का उपयोग किया जा रहा है। जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान द्वारा निशाने पर लिया जा रहा है। उसको देखते हुए ट्रंप की सुरक्षा अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। अमेरिका में बंकर की व्यवस्था द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पर्ल हार्बर जैसे हमले का मुकाबला करने के लिए आपात स्थिति को ध्यान में रखकर बनाई गई थी, जिसका अब उपयोग होने जा रहा है। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच का यह तनाव वैश्विक राजनीति और सुरक्षा के लिहाज से गंभीर घटना है, जो यह दिखाता है, ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका की यह जंग केवल मिसाइल या जेट्स तक सीमित नहीं है। साइबर हमले, ड्रोन स्ट्राइक और आतंकवादी नेटवर्क भी अमेरिका और इजरायल के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं। अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियां किसी भी खुफिया इनपुट को हल्के में नहीं ले रही हैं। उनके लिए राष्ट्रपति की सुरक्षा सर्वोपरि है। सीआईए का यह रेड अलर्ट, राष्ट्रपति ट्रंप को बंकर में सुरक्षित रखने की रणनीति, अमेरिका की सतर्कता और युद्ध के आधुनिक स्वरूप के रूप में मिल रही चुनौती को दर्शाता है। वर्तमान का यह घटनाक्रम साबित करता है, कि वैश्विक राजनीति में हथियार, नवीनतम उपकरणों की शक्ति, खुफिया सुरक्षा तथा अत्याधुनिक रक्षा प्रणाली, संचार माध्यम युद्ध के दौरान बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिस तरीके से हथियारों में बदलाव आ रहा है। छोटे–छोटे से हथियार बड़े घातक स्वरूप में सामने आ रहे हैं। कम कीमत के छोटे–छोटे हथियार बड़े हथियारों के मुकाबले ज्यादा घातक और बड़े प्रभावी रुप से सामने आये हैं। उसने महाशक्तियों के लिए भी एक नई चुनौती तैयार कर दी है। वर्तमान में युद्ध के दौर में जिस तरह के परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं, उसने दुनिया के सभी देशों में हैरानी पैदा कर दी है। हथियारों और युद्ध के जो परंपरागत स्रोत थे, उनका स्थान अब नवीनतम तकनीकी के हथियार ले रहे है। जो अर्थव्यवस्था में बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। वर्तमान युद्ध ने यह बता दिया है, कि युद्ध ताकत से नहीं जीता जा सकता है। युद्ध जीतने के लिए और भी बहुत सारे उपाय करने होंगे। अन्यथा बड़ी से बड़ी महाशक्ति छोटे–छोटे देश का मुकाबला नहीं कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कोयम्बटूर में खरीदी 44 एकड़ जमीन, आवासीय प्रोजेक्ट की तैयारी

परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की बड़ी कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर में 44 एकड़ जमीन खरीदकर एक नए प्रीमियम आवासीय प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी के मुताबिक इस परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए तक की आय हो सकती है। यह प्रोजेक्ट प्लॉटेड डेवलपमेंट के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ एक योजनाबद्ध आवासीय समुदाय तैयार किया जाएगा। इस परियोजना के साथ कंपनी पहली बार कोयंबटूर के बाजार में प्रवेश कर रही है। कंपनी ने यह जमीन सीधे खरीदी है। करीब 44 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस प्रोजेक्ट में करीब 1.1 मिलियन वर्गफुट का डेवलपमेंट होना है। कंपनी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट प्रीमियम प्लॉटेड रेजिडेंशियल कम्युनिटी के रूप में तैयार किया जाएगा। हालांकि कंपनी ने जमीन खरीद की कीमत नहीं बताई है, लेकिन परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद जताई गई है। इस प्रोजेक्ट के जरिए कंपनी दक्षिण भारत में अपने विस्तार को और मजबूत करना चाहती है। यह परियोजना साउथ कोयंबटूर के उस इलाके में विकसित की जाएगी जो कोयम्बटूर गोल्फ क्लब के पास स्थित है। यह इलाका तेजी से विकसित हो रहा है और यहां बेहतर कनेक्टिविटी के साथ शांत और हरित वातावरण उपलब्ध है। कंपनी के मुताबिक प्रोजेक्ट में अच्छी सड़कों वाला लेआउट, लैंडस्केप्ड ओपन स्पेस, और सामुदायिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे यह प्रोजेक्ट प्रीमियम आवासीय विकल्प के रूप में उभर सकता है। कंपनी के आला अधिकारियों का कहना है कि कोयंबटूर में प्रवेश कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह तेजी से बढ़ते और संभावनाओं से भरे शहरों में अपने प्रोजेक्ट शुरू कर रही है। कोयंबटूर की मजबूत आर्थिक स्थिति, बढ़ती आबादी और स्थिर आवासीय मांग इसे एक आकर्षक बाजार बनाती है। कंपनी यहां एक उच्च गुणवत्ता वाली प्लॉटेड कम्युनिटी विकसित करने की योजना बना रही है, जिससे दक्षिण भारत में उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। कोयंबटूर तेजी से एक विविध आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां मैन्युफैक्चरिंग, आईटी-आईटीईएस, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और छोटे-मझोले उद्योगों का मजबूत आधार है। शहर में नए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, बढ़ती आय और आर्थिक गतिविधियों के कारण आवास की मांग लगातार बढ़ रही है।

इस हफ्ते कई आईपीओ होंगे लॉन्च, कुछ कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

निवेशक इन आईपीओ में हिस्सा लेकर अच्छा रिटर्न कमा सकते

नई दिल्ली। मार्च के अगले हफ्ते प्राइमरी मार्केट में कई कंपनियां आईपीओ लॉन्च कर रही हैं, जबकि कुछ कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी। इस हफ्ते 16 मार्च से शुरू होकर कई नए पब्लिक इश्यू खुले हैं, जिनमें एग्रोकेमिकल, लॉयल्टी सर्विसेज और माइनिंग से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं, साथ ही कुछ कंपनियां लिस्टिंग के लिए तैयार हैं। निवेशक इन आईपीओ में हिस्सा लेकर अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, लेकिन बाजार की स्थिति और कंपनी की फंडामेंटल्स को ध्यान से देखना जरूरी है। सबसे बड़ा आईपीओ है जीएसपी क्रॉप साइंस का। यह अहमदाबाद आधारित एग्रोकेमिकल कंपनी 400 करोड़ रुपए जुटाने जा रही है। इसमें फ्रेश इश्यू 240 करोड़ रुपए का और प्रमोटर्स की ओर से ऑफर फॉर सेल 160 करोड़ रुपए का है। प्राइस बैंड 304 से 320 रुपए प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ 16 मार्च यानी सोमवार को खुलेगा और 18 मार्च को बंद होगा। लॉट साइज 46 शेयर है, यानी न्यूनतम निवेश करीब 14,720 रुपए। कंपनी एंकर निवेशकों से पहले ही 120 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। लिस्टिंग 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर होगी। कंपनी का मार्केट कैप ऊपरी बैंड पर करीब 1,489 करोड़ रुपए होगा। दूसरा आईपीओ नोवस लॉयल्टी का है, जो लॉयल्टी और रिवार्ड्स सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है। यह एसएमई सेगमेंट में 60.15 करोड़ जुटाएगा। प्राइस बैंड 139 से 146 प्रति शेयर है। आईपीओ 17 मार्च को खुलेगा और 20 मार्च को बंद होगा। लॉट साइज 1,000 शेयर है, यानी न्यूनतम निवेश करीब 1,46,000 रुपए। लिस्टिंग 25 मार्च को बीएमई एसएमई पर होगी। कंपनी फंड का इस्तेमाल प्रोडक्ट अपग्रेड, बिजनेस डेवलपमेंट और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज में करेगी। इनोवेशन का आईपीओ पहले से चल रहा है, जो अब एक्सटेंड हो गया है। यह मैनपावर, टोल प्लाजा मैनेजमेंट और सिक्योरिटी सर्विसेज कंपनी है। मूल प्राइस बैंड 521-548 रुपए था, लेकिन कम सब्सक्रिप्शन के कारण इसे घटाकर 494-519 रुपए कर दिया गया है। इश्यू साइज भी 322.84 करोड़ से घटाकर 305.76 करोड़ कर दिया गया। आईपीओ 10 मार्च से खुला था और अब 17 मार्च को बंद होगा1 लॉट साइज 27 शेयर है। अभी तक सिर्फ 31फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। लिस्टिंग 20 मार्च को बीएसई और एनएसई पर होगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारतीय रूपए में गिरावट का असर

विदेशी-निवेशकों ने 15दिन में शेयर बाजार से निकाले 52,704 करोड़

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट की बिकवाली लगातार जारी है। मार्च के शुरुआती दो हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू इक्विटी बाजार से 52,704 करोड़ रुपए निकाले हैं। यह बिकवाली ऐसे समय में हुई है, जब मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ रहा है और कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। इससे पहले फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने बाजार में 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर था। लेकिन मार्च की शुरुआत से ही विदेशी निवेशक हर ट्रेडिंग दिन पर नेट सेलर्स बने हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस भारी बिकवाली के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज रूट में सप्लाई प्रभावित होने के डर से ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चला गया है। इससे निवेशकों ने जोखिम वाले एसेट्स से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों में लगाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए के 92 के स्तर के पार पहुंचना और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने भी दबाव बनाया है। हालांकि, निवेशकों ने टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस, मेटल्स और केमिकल्स जैसे सेक्टर्स में अपना निवेश बढ़ाया है, जो यह दर्शाता है कि पैसा अब डोमेस्टिक वैल्यू और कमोडिटी शेयरों की ओर शिफ्ट हो रहा है।

चीन के बाजार में पैसा लगा रहे निवेशक

पिछले 18 महीनों में भारतीय बाजार ने विकसित और अन्य उभरते बाजारों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है। इस वजह से विदेशी निवेशकों का रुझान भारत के प्रति कम हुआ है। उनके अनुसार, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन इस समय भारत की तुलना में ज्यादा आकर्षक लग रहे हैं, क्योंकि हालिया गिरावट के बाद वहां वैल्युएशन सस्ता है और कॉर्पोरेट अर्निंग की संभावनाएं बेहतर दिख रही हैं।

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का फिलहाल मजबूत दबदबा बना हुआ है। टाटा मोटर्स के पास करीब 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी की सफलता के पीछे उसका बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो भी प्रमुख कारण है, जिसमें नेक्सन ईवी, पंच ईवी, टियागो ईवी, टिगोर ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी जैसे मॉडल शामिल हैं। हालांकि देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार अभी भी टाटा के पास नहीं है। टाटा की टियागो ईवी की शुरुआती कीमत 7.99 लाख रुपये है, जबकि एमजी कॉमेट ईवी की कीमत 7.35 लाख रुपये से शुरू होती है।टाटा मोटर्स में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्ट लाइन हेड आनंद कुलकर्णी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अब कीमत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच रहे हैं। कुछ मॉडल ऐसे हैं जो इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) कारों के करीब कीमत पर उपलब्ध होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि बैटरी तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे ज्यादा एनर्जी-डेंस बैटरी, तेज चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा संभव हो पाई है।

घर में पीएनजी कनेक्शन है तो सरेंडर करना होगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार ने यह फैसला एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए लिया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारत में एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसी स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। सरकार ने 14 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा कि जिन घरेलू उपभोक्ताओं के पास पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी कनेक्शन है, वे अब एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकेंगे और न ही उसका रिफिल ले सकेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों के पास पहले से पीएनजी कनेक्शन के साथ एलपीजी कनेक्शन भी है, उन्हें अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा। इसके साथ ही ऐसे उपभोक्ता सरकारी तेल कंपनियों या उनके वितरकों से एलपीजी सिलेंडर की नई बुकिंग या रिफिल नहीं कर पाएंगे। सरकार का कहना है कि यह फैसला एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए लिया गया है ताकि जिन घरों में केवल एलपीजी पर ही खाना पकाने की व्यवस्था है, उन्हें प्राथमिकता दी जा सके। दरअसल, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। अमेरिका और इजराइल के साथ जंग के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। इसी रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल और गैस की खेप विभिन्न देशों तक पहुंचती है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश के कुल एलपीजी आयात का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों से आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण वहां से आने वाली एलपीजी की खेप भारत तक नहीं पहुंच पा रही है, जिससे आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है।

मार्च माह में शेयर बाजार की सबसे बड़ी गिरावट

- बाजार में घबराहट, निवेशकों के लाखों करोड़ डूबे
- बाजार में गिरावट बनी रहेगी

मुंबई ।

ईरान युद्ध के बाद शेयर बाजार में भारी घबराहट देखने को मिल रही है। कोविड के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 74564 अंक को छू गया है। जिसके कारण शेयर बाजार को लेकर अर्थशास्त्रियों का यह मानना है। इस गिरावट को रोक पाना, तथा इस घाटे की भरपाई कर पाना फिलहाल संभव नहीं है।

युद्ध को लेकर जिस तरह की स्थिति वैश्विक स्तर पर बन रही है। उसके बाद दुनिया भर में आर्थिक मंदी का खतरा भी देखा जा रहा है। दुनिया भर के सभी शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। मार्च माह के तीनों सप्ताह में शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली है। मार्च माह के चौथे सप्ताह में भी यह गिरावट बनी रहेगी। शेयर बाजार के लिए कोई बेहतर संकेत हाल फिलहाल देखने को नहीं मिल रहे हैं। निवेशक बाजार में नया निवेश करने के लिए तैयार नहीं हैं,जो निवेश है, उसी को निकाल कर शेयर बाजार से निकलना चाहते हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ की स्थिति मची हुई है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान की समरिक शक्ति और ऊर्जा कारोबार में इस युद्ध का जो प्रभाव पड़ेगा। उसका सही आकलन नहीं किया।जिसके कारण सारी दुनिया में शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है। डोनाल्ड ट्रंप आखिरी वक्त पर इस युद्ध से हट भी जाएं, उसके बाद भी बाजार में गिरावट का सिलसिला बना रहेगा। मार्च माह में 10 फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसा वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है।

अभी तक शेयर बाजार में छह बार सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 1970 से लेकर 1979 तक 11।3 फ़ीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। 1980 से 1989 के बीच में 16।09 फीसदी की गिरावट हुई थी। 1990 से 1999 के बीच 23.3 फ़ीसदी की गिरावट हुई थी। 2000 से 2009 के बीच में सबसे ज्यादा 33.3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिका में आई आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा असर इसी दौरान दुनिया भर के शेयर बाजारों में पड़ा था।

2010 से 2019 के बीच में 14.5 फ़ीसदी की गिरावट शेयर बाजार में दर्ज हुई थी। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है। उसके अनुसार भारत के शेयर बाजार में सबसे बड़ी गिरावट इस मार्च और अप्रैल माह में देखने को मिल सकती है।

2008 में जिस तरह की अमेरिकी मंदी आई थी। उससे ज्यादा मंदी 2026- 27 में भारत सहित सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल सकती है। इसको लेकर दुनिया भर के निवेशकों में घबराहट फैली हुई है। इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच में जो युद्ध चल रहा है। उसमें खाडी के देश बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इस युद्ध में रूस चीन और उत्तर कोरिया के कूद जाने के बाद सारी दुनिया में घबराहट फैल गई है। दो दर्जन से अधिक देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में शामिल हो गए हैं। सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। इसका असर महंगाई पर भी पड़ने लगा है। युद्ध के कारण वैश्विक अर्थ व्यवस्था लड़खड़ा रही है। ऐसे समय पर निवेशको को सावधान रहने की जरूरत है।

बासमती चावल कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स लाएगी 440 करोड़ का आईपीओ

-24 मार्च को खुलेगा इश्यू, पूरी तरह फ्रेश शेयर जारी होंगे
-पुराने निवेशक नहीं बेचेंगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

'एरोप्लेन' ब्रांड के नाम से बासमती चावल बेचने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स जल्द ही शेयर बाजार में कदम रखने जा रही है। कंपनी ने 440 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की घोषणा की है। यह आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा और निवेशक 27 मार्च तक इसमें बोली लगा सकेंगे। कंपनी के मुताबिक, एंकर निवेशकों के लिए 23 मार्च को एक दिन पहले निवेश का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। इस आईपीओ की सबसे खास बात यह है कि इसमें कोई भी मौजूदा निवेशक या प्रमोटर अपनी हिस्सेदारी नहीं बेच रहा है। पूरा इश्यू केवल फ्रेश शेयरों के जरिए जारी किया जाएगा, जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रमोटर्स को कंपनी की भविष्य की संभावनाओं पर भरोसा है।

आईपीओ प्रक्रिया के तहत निवेशकों को शेयरों का आवंटन 30 मार्च तक किया जा सकता है, जबकि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग 2 अप्रैल को होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, कंपनी ने पहले 550 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में इसे घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया। वर्तमान में कंपनी की 99 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी प्रमोटर्स के पास है। इसके प्रमुख प्रमोटर्स जगदीश कुमार सूरी, राहुल सूरी और रमणिका सूरी हैं।

कंपनी ने बताया कि आईपीओ से जुटाई गई राशि में से लगभग 400 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इससे पहले कंपनी प्री-आईपीओ राउंड में करीब 13 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। यह निवेश 172 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर किया गया था, जिसके आधार पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 1,877 करोड़ रुपये आंका गया है। हरियाणा स्थित यह कंपनी मुख्य रूप से बासमती चावल की प्रोसेसिंग और निर्यात का कारोबार करती है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में हुई थी और यह अपने उत्पाद 'एरोप्लेन' ब्रांड के तहत बेचती है। कंपनी की कुल आय का करीब 99 प्रतिशत हिस्सा इसी कारोबार से आता है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंची

नई दिल्ली। बीते महीने फरवरी 2026 के दौरान देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंच गई। पिछले साल फरवरी 2025 में दर्ज 76,720 यूनिट्स की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। यह मौजूदा वित्तीय वर्ष में अक्टूबर 2025 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री मानी जा रही है। इन आंकड़ों के साथ वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कुल बिक्री 12,09,542 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है। इस तरह यह आंकड़ा वित्तीय वर्ष 2025 के पूरे साल के रिकॉर्ड 11,50,767 यूनिट्स को भी पार कर चुका है। यदि मार्च 2026 में इस सेगमेंट की बिक्री 1.40 लाख यूनिट से ज्यादा रहती है, तो वित्तीय वर्ष 2026 के अंत तक कुल बिक्री 13.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बिक्री के मामले में फरवरी 2026 में टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बार फिर बाजार में अपना दबदबा बनाए रखा। कंपनी ने पिछले महीने 31,600 इलेक्ट्रिक स्कूटर की रिटेल बिक्री की, जो फरवरी 2025 की 18,955 यूनिट्स की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कंपनी को करीब 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी मिली। टीवीएस के पोर्टफोलियो में फिलहाल आईक्यूब और ऑर्बिटर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं।

एआई में बढ़ते दबाव को संतुलित करने मेटा 20 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी!

-कंपनी का मानना- एआई आधारित टूल्स कर्मचारियों की उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं

नई दिल्ली।

दुनिया की प्रमुख सोशल मीडिया कंपनी मेटा अपने खर्च को नियंत्रित करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में बढ़ते निवेश के दबाव को संतुलित करने के लिए बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छटनी करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी संभावित रूप से अपने वैश्विक कार्यबल का करीब 20 फीसदी तक कम कर सकती है। यदि ऐसा होता है तो करीब 16 हजार कर्मचारियों की नौकरियां जा सकती हैं। कंपनी के नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक मेटा में करीब 79 हजार कर्मचारी कार्यरत थे। मेटा दुनिया के लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का संचालन करती है।

रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने भविष्य को एआई आधारित तकनीकों के साथ जोड़कर देख रही है।

मेटा का मानना है कि एआई आधारित टूल्स आने वाले समय में कर्मचारियों की उत्पादकता को काफी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही कई कार्यों में कम कर्मचारियों की जरुरत रह जाएगी। इसी वजह से कंपनी अपनी संचालन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए कर्मचारियों की छटनी करने वाले विकल्पों पर विचार कर रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और न ही इसके लिए कोई समयसीमा तय की है।

सूत्रों के मुताबिक मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में कंपनी के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ संभावित छंटनी के विषय पर चर्चा की। अधिकारियों से कहा गया कि वे अपने-अपने विभागों में कामकाज को ज्यादा सुव्यवस्थित बनाने के उपाय तलाशें। इस बीच मेटा के प्रवक्ता ने इन खबरों को लेकर कहा कि यह केवल संभावित रणनीतियों से जुड़ी अटकलें हैं। उन्होंने इसे सैद्धांतिक स्तर की रिपोर्टिंग बताया और कहा कि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। यदि मेटा इस स्तर पर कर्मचारियों की संख्या कम करने का फैसला लेती है तो यह कंपनी के इतिहास की सबसे बड़ी छंटनियों में से एक होगी।

बता दें इससे पहले कंपनी ने 2022 और 2023 में बड़े पैमाने पर पुनर्गठन किया था। उस समय मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उस अवधि को कंपनी का 'ईयर ऑफ एफिशिएंसी' बताया था।

बाजार में उथल-पुथल से निवेशवक घबराएं नहीं, लंबी अवधि के नजरिए से सोचें

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने छोटे निवेशकों को धैर्य रखने की दी सलाह

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में इन दिनों तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। ऐसे में सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने छोटे निवेशकों को धैर्य रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बाजार में यह उथल-पुथल लंबे समय तक नहीं रहती और वैश्विक स्तर पर स्थिरता लाने के प्रयास चल रहे हैं। छोटे निवेशकों को घबराकर फैसले नहीं लेने चाहिए, बल्कि शांत रहकर लंबी अवधि के नजरिए से सोचना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेबी चेयरमैन ने हाल ही में एक कार्यक्रम में इस बारे में जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछले दस साल में भारत के कैपिटल मार्केट बहुत बड़े और मजबूत हुए हैं। अब ये बाजार वैश्विक घटनाओं से ज्यादा जुड़े हुए हैं। कोई भी बड़ी खबर या घटना तुरंत बाजार पर असर डाल देती है। जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जैसे युद्ध या तनाव, बाजार को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं, लेकिन तुहिन कांता पांडे ने जोर दिया कि बाजार की असली परीक्षा तब होती है जब अस्थिरता आती है और सिस्टम सही रूप से चलता रहता है।

उन्होंने कहा कि बाजार में अत्यधिक अस्थिरता के दौर आमतौर पर ज्यादा दिन नहीं टिकते। वैश्विक प्रयासों से बाजार जल्दी स्थिर हो जाते हैं। भारत के बाजार पिछले दशक में काफी विस्तारित हुए हैं, जिससे वे वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो गए हैं।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं, रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कर रही काम

-देश में एलपीजी किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और पैनिक बुकिंग को सरकार का दावा

नई दिल्ली।

देश में एलपीजी की किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और भारी पैनिक बुकिंग के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। हालांकि, खाड़ी देशों में जारी युद्ध और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में पैदा हुए गतिरोध की वजह से सप्लाई चेन पर दबाव जरूर पड़ा है, लेकिन सरकार ने घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता पर रखा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुजाता ने कहा कि युद्ध की खबरों के बीच आम जनता में इस बात का डर है कि आने वाले दिनों में सिलेंडर नहीं मिलेंगे। इसी घबराहट में लोग जरूरत न होने पर भी सिलेंडर बुक करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक युद्ध से पहले रोज करीब 55 लाख सिलेंडर बुक होते थे और करीब 50 लाख की डिलीवरी होती थी, लेकिन यह आंकड़ा बढ़कर 75 लाख हो गया और अब 88 लाख तक पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसे पूरी तरह 'पैनिक बुकिंग' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने साफ किया है कि बुकिंग पर कुछ नियम लागू हैं ताकि स्टॉक का प्रबंधन सही से हो सके। शहरी क्षेत्रों में एक सिलेंडर मिलने के बाद अगली बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिन का अंतर होना अनिवार्य है। वहीं ग्रामीण इलाकों में यह समय सीमा 45 दिन तय की गई है। इस तय समय से पहले सिस्टम बुकिंग नहीं लेगा, इसलिए उपभोक्ताओं को बार-बार प्रयास करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सप्लाई के दबाव का फायदा उठाकर कुछ लोग सिलेंडर की जमाखोरी और ब्लैक-मार्केटिंग में जुट गए हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने देशभर में सख्त अभियान छेड़ा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने तेल कंपनियों के साथ मिलकर छापेमारी शुरू कर दी है। अकेले यूपी में प्रशासन ने 1400 से ज्यादा ठिकानों का निरीक्षण किया है, जिसमें 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 19 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की गई है।

ईरान युद्ध से फूड डिलीवरी, कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग सेक्टर भी हो सकता है प्रभावित

-कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर किया मजबूर

नई दिल्ली।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब शेयर बाजारों पर भी देखने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध की आशंका और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। पहले जहां चिंता केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित मानी जा रही थी, वहीं अब इसके प्रभाव का दायरा बढ़ रहा है। फूड डिलीवरी कंपनियों से लेकर कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग तक कई सेक्टर संभावित सप्लाई बाधाओं और बढ़ती लागत के दबाव में आ सकते हैं।

दरअसल, युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक शेयर बाजारों में करीब 5.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट 2022 के बाद किसी एक महीने में सबसे बड़ी मानी जा रही है। एशियाई बाजारों पर इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया है। निवेशकों को डर है कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई फिर से बढ़ सकती है और युद्ध पर होने वाला खर्च कई देशों के बजट घाटे को भी बढ़ा सकता है। बाजार में बढ़ती अनिश्चितता से ट्रेडर्स ने अब अमेरिका के केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद को भी आगे खिसका दिया है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि अगली बड़ी दर कटौती संभवतः 2027 के बीच तक ही हो पाएगी। इस बदलाव ने भी वैश्विक निवेशकों की रणनीति को प्रभावित किया है। युद्ध के कारण सबसे पहले असर एयरलाइंस और शिपिंग कंपनियों पर पड़ा है। तेल की कीमतें बढ़ने से विमानन कंपनियों की ईंधन लागत बढ़ जाती है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव आता है। इसी तरह समुद्री परिवहन कंपनियों के लिए भी ऑपरेशन महंगे हो जाते हैं और व्यापारिक मार्गों में जोखिम बढ़ जाता है। इसके विपरीत रक्षा और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। युद्ध और तनाव के दौर में रक्षा उपकरणों की मांग बढ़ने की संभावना रहती है, जिससे रक्षा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिलता है। वहीं तेल और गैस कंपनियां भी ऊंची कीमतों का लाभ उठा सकती हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब अमेरिका ने उस खर्ग द्वीप पर बड़ा हमला किया, जहां से ईरान के कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा निर्यात होता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व खिलाड़ियों को कोच बनाकर खेलों में वापस लाना चाहिए: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को कहा कि भारत को खेल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूर्व खिलाड़ियों को फिर से खेलों से जोड़कर उन्हें कोच और मेंटर की भूमिका में लाना चाहिए।

आज यहां स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबिली संस्करण के दूसरे दिन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित कार्यक्रम में अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि खेल कोटे से नौकरी पाने वाले कई खिलाड़ी आज दफ्तरों में काम कर रहे हैं, जबकि उनमें से कई खेलों में लौटकर कोच या मार्गदर्शक के रूप में अधिक बड़ा योगदान दे सकते हैं। यह सम्मेलन दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमें खिलाड़ियों की पूरी यात्रा को ट्रैक करने के लिए डेटा का विश्लेषण करना चाहिए, ताकि प्रतिभा की शुरुआती पहचान हो सके और उन्हें सही समर्थन के साथ तैयार किया जा सके।'

उन्होंने ने राज्य सरकारों से भी खेलों को मजबूत करने में अधिक भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा, 'खेल काफी हद तक राज्य का विषय है और यदि हमें भविष्य में बेहतर परिणाम चाहिए तो राज्यों को अपने बजट बढ़ाने, बुनियादी ढांचा विकसित करने और अधिक कोच नियुक्त करने होंगे।संस्थाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। हमें यह मूल्यांकन करना चाहिए कि सिफारिशों के बाद क्या हासिल हुआ और क्या हमारी व्यवस्थाएं वास्तव में परिणाम दे रही हैं या नहीं।'

इससे पहले डीएसजजेए अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा, 'एसजेएफआई के गोल्डन जुबिली वर्ष में यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। देशभर से आए खेल पत्रकारों का दिल्ली में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है और अनुराग ठाकुर का विशेष आभार, जिन्होंने पत्रकार बिरादरी के साथ संवाद किया।'

जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट ट्रॉफी में रोशनारा क्रिकेट क्लब और दिल्ली पुलिस ग्राउंड पर खेले गए मैचों में नॉर्थ जोन और साउथ जोन ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। वहीं एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट में दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए-1) ने स्पोर्ट्स राइटर्स एसोसिएशन ऑफ बेंगलुरु (एसडब्ल्यूएबी-1) को हराया, जबकि स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई

(एसजेएएम-1) ने तमिलनाडु स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (टीएनएसजेए-1) को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला सोमवार को इसी स्थल पर खेला जाएगा, जिसमें डीएसजेए-1 के कुशन सरकार, भारत शर्मा और नॉरिस प्रीतम का सामना एसजेएएम-1 के अमोल करहाड़कर, अश्विन फेरो और अकुश धावरे से होगा।

वंशिका चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधे कुलदीप यादव, मसूरी में लिए सात फेरे

मसूरी (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी जिंदगी की एक नई पारी शुरू की है। कुलदीप ने शनिवार को उत्तराखंड के मसूरी में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी रचाई।

भारत के कुछ बड़े क्रिकेट स्टार इस शादी में शामिल हुए, जिनमें भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल का नाम है। भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'अपने जीवन के प्यार से कुलदीप यादव को शादी करते देखकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों को जिंदगी भर प्यार, हंसी और ढेर सारा आशीर्वाद मिले। बधाई हो।'

कानपुर के रहने वाले इस जोड़े ने 4 जून 2025 को लखनऊ में एक निजी समारोह में सगाई की थी। वंशिका ने अपनी स्कूलिंग कानपुर से की, जिसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चली गईं। वंशिका भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में कार्यरत हैं। दोनों की शादी पहले नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन वर्ल्ड कप की वजह से इसे टाल दिया गया।

कुलदीप उस भारतीय टीम के अहम सदस्य हैं, जिसने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता था। कुलदीप यादव ने इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच खेला था, जिसमें 3 ओवरों में 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने भारत की ओर से अब तक कुल 17 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 22.42 की औसत के साथ 76 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 120 वनडे मुकाबलों में कुलदीप यादव के नाम 194 विकेट हैं। इस गेंदबाज ने भारत की तरफ से 54 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 95 विकेट निकाले। कुलदीप अपने करियर में 98 आईपीएल मैच खेल चुके हैं, जिसमें 102 विकेट प्राप्त किए।

टी20 मुंबई महिला लीग के पहले सीजन का आगाज जल्द, रोहित शर्मा ने किया ट्रॉफी का अनावरण

मुंबई (एजेंसी)। Mumbai Cricket Association ने टी20 मुंबई लीग का महिला संस्करण लॉन्च किया। रोहित शर्मा ने ट्रॉफी का अनावरण किया और यह टूर्नामेंट महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग के महिला संस्करण का अनावरण किया। पुरुषों की लीग के तीन सफल सीजन होने के बाद एमसीए ने यह फैसला लिया। रोहित शर्मा जो इस लीग का चेहरा हैं, उन्होंने शनिवार को मुंबई में पुरुषों और महिलाओं के आगामी संस्करणों के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया।

रोहित ने कहा कि उन्हें मुंबई क्रिकेट के बढ़ते स्तर को देखकर बहुत खुशी होती है। यह सिर्फ आईपीएल टीम तक सीमित नहीं है, बल्कि टी20 मुंबई लीग ने भी कई युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि इस लीग से कई ऐसे खिलाड़ी निकले हैं, जिन्होंने पहले टी20 मुंबई में खेला और बाद में आईपीएल टीमों और भारतीय टीम तक पहुंचे। उनके मुताबिक यह लीग खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का एक बड़ा मंच बन चुकी है।

महिलाओं को आगे बढ़ने का यह अच्छा मौका

रोहित शर्मा ने यह भी कहा कि पिछले सीजन की शानदार सफलता के बाद इस टूर्नामेंट का फिर से आयोजन होना बहुत अच्छी बात है। वह खुद भी पिछले सीजन में इससे जुड़े थे और उन्होंने देखा कि इसे आयोजित करना आसान काम नहीं था। इस लीग को सफल बनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सभी सदस्यों को श्रेय मिलना चाहिए। इस साल यह टूर्नामेंट और भी बड़ा हो गया है, क्योंकि इसमें तीन महिला टीमें भी शामिल की गई हैं।

इंग्लैंड ने जीता खिताब, भारतीय महिला टीम रही उपविजेता

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को खेले गये एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर के फाइनल में इंग्लैंड से हार के बाद दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। हार के बावजूद भारतीय टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

आज यहां जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड पर हुए फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से 0-2 से हार गई। इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने (13वें) और एलिजाबेथ नील ने (43वें) मिनट में गोल किए।

भारत ने खेल की शुरुआत जोरदार तरीके से की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में मदद की। हालांकि भारतीय टीम के प्रयास को इंग्लैंड की गोलकीपर ने विफल कर दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें कीं। पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और दो मिनट बाकी रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13%) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से पांचवां गोल दागते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिला दी।

दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर जैसा ही रहा। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को अधिक मौके नहीं दिए। पहले हाफ में आठ बार सर्कल में घुसने के बावजूद, भारत इंग्लैंड की रक्षापंक्ति पर दबाव तो बना रहा था, लेकिन वे इंग्लैंड की गोलकीपर की असली परीक्षा नहीं ले पाए। इस वजह से मेहमान टीम हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड ने गेंद को कुशलता से घुमाते हुए और उस पर अपना कब्जा बनाए रखते हुए खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। आखिरकार, एलिजाबेथ नील (43वें) मिनट में किये गये बदौलत इंग्लैंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। मिडफ़ील्डर एलिज़ाबेथ भाग्यशाली रहीं, क्योंकि उनकी लगाई शॉट एक भारतीय डिफ़ेंडर से टकराकर बिचू देवी को छकाते हुए गोल में चली गई। इसके साथ ही तीसरे क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड 2-0 से आगे हो गया।

भारत ने एक ऐसे गोल की तलाश में आगे बढ़ना जारी रखा, जो उन्हें मैच में वापस ला सके। स्कोर अपने पक्ष में होने के बावजूद, इंग्लैंड ने अपना सकारात्मक रवैया बनाए रखा और यह सुनिश्चित किया कि वे रक्षात्मक होकर मेजबान टीम को कोई मौका न दें। यह एक बेहद खुला और तेज़-तर्रार अंतिम क्वार्टर था, जिसमें मैच के आखिरी पलों में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, वे गोल करने में नाकाम रहे और अंततः उन्हें 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

दिन में इससे पहले इटली को 1-0 से हराकर स्कॉटलैंड ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कॉटलैंड के लिए एमी कोस्टेलो ने मैच का एकमात्र गोल किया, जिससे स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली।

पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए।

दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

बीसीसीआई ने फिक्सिंग में फंसे वीडियो एनालिस्ट राजा पर लगाया आजीवन प्रतिबंध

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी ट्रॉफी मैच में फिक्सिंग को देखते हुए वीडियो एनालिस्ट राजा रेड्डी पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इस एनालिस्ट को भ्रष्ट तरीके अपनाने के लिए आजीवन प्रतिबंधित कर दिया है। प्राप्त जानकार के अनुसार बीसीसीआई की एक समिति ने बोर्ड की एंटी–करप्शन विंग की जांच के बाद वीडियो एनालिस्ट राजा पर ये प्रतिबंध लगाया है। ये मामला फरवरी, 2024 की है उस समय इंदौर में आंध्र और मध्य प्रदेश के बीच हुए रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच में राजा रेड्डी ने आंध्र के खिलाड़ी गिरिनाथ रेड्डी से फिक्सिंग के लिए संपर्क किया था। राजा उस क्वार्टर फाइनल मैच में बीसीसीआई के एनालिस्ट थे। वह पीएमओव से मान्यता प्राप्त थे और उन्हें थर्ड अंपायर और मैच रेफरी के लिए तय कमरे में बैठने की अनुमति थी। आंध्र टीम मैनेजर की शिकायत के बाद एसीयू अधिकारी ने इस मामले में कदम उठाये। आंध्र टीम के खिलाड़ी गिरिनाथ ने एसीयू को दिए बयान में बताया कि मैच से एक दिन पहले राजा ने उनसे अंतिम ग्यारह की जानकारी मांगी और दो ओवर में पांच रन देने के बदले 5 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा। इस दौरान व्हाट्सएप कॉल और चैट हिस्ट्री से पता चला कि राजा ने बार–बार गिरिनाथ से संपर्क करने का प्रयास किया पर गिरिनाथ ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह यह घटना अपने टीम मैनेजर को बताएंगे।

विश्व कप हीरो संजू सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित, 16 मार्च को आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके गृह राज्य केरल की सरकार द्वारा 16 मार्च को सम्मानित किया जाएगा। इसकी पुष्टि केरल सरकार के खेल मंत्रालय ने की है। मंत्रालय के मुताबिक, राज्य सरकार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य और टूर्नामेंट के श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे संजू सैमसन को सम्मानित करेगी। सम्मान समारोह 16 मार्च को शाम 4 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान करेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विभागों के मुख्य सचिव और गणमान्य अतिथि कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। राज्य खेल मंत्रालय ने संजू सैमसन के स्वागत के लिए शानदार इंतजाम किया है। इससे पहले विश्व कप के बाद पहली बार तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर एयरपोर्ट पर संजू सैमसन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। संजू सैमसन टी20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर सबसे अहम और चर्चित खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के अधिकांश मैचों से बाहर रहे सैमसन को टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर–8 मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था। उस मैच में सैमसन ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए थे। इस छोटी पारी में उनका आत्मविश्वास साफ दिखा था। इसके बाद अगले तीन मैचों में संजू सैमसन की खेली तीन यादगार पारियों ने न सिर्फ भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में सबसे अहम भूमिका अदा की, बल्कि उनका नाम भी इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करा दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टरफाइनल जैसे मुकाबले में 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेल सैमसन ने भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल इस दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज ने टीम इंडिया को फाइनल का टिकट दिलाया। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल भारत की खिताबी जीत की पटकथा लिखी।

इंडियन वेल्स ओपन: सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने अल्काराज को हराया, फाइनल में होगा सिनर का मुकाबला

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। डेनियल मेदवेदेव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को 6-3, 7-6(3) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। 2026 में लगातार 16 मैच जीतने के बाद अल्काराज की यह पहली हार थी।

मेदवेदेव ने 2024 इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच के बाद अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है। मेदवेदेव ने आक्रामकता के साथ मैच में कदम रखा था। सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और लगातार सर्विंग से रैलियों को नियंत्रित किया। शुरुआती सेट में अल्काराज की सर्विस तोड़ी और डीप रिटर्न और सॉलिड बेसलाइन प्ले से दबाव बनाए रखा।

अल्काराज, जिन्होंने 2023 और 2024 दोनों में इंडियन वेल्स फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, ने दूसरे सेट में वापसी करने की कोशिश की, लेकिन दबाव में मेदवेदेव का शांत रहना अहम साबित हुआ। 4-5 पर दो सेट पॉइंट का सामना करते हुए, रूसी खिलाड़ी ने मजबूत सर्व की और स्पेन के खिलाड़ी से गलतियाँ करवाईं, आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां पहुंचने के बाद, मेदवेदेव ने अपनी रफ्तार बनाए रखी। उन्होंने अपने बनाए दोनों ब्रेक मौकों को भुनाया और अपने सामने आए पांच में से चार ब्रेक पॉइंट जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्व के पीछे भी दबदबा बनाया, और उन पॉइंट्स में से 74 प्रतिशत जीते।

जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा कि अल्काराज का सामना करना एक चुनौती है। इस नतीजे से मेदवेदेव को इस सीजन में अपनी टूर-लीडिंग 18वीं जीत मिली है। वह साल के अपने तीसरे फाइनल में पहुंच गए हैं। 30 साल के मेदवेदेव पहले ही 2026 में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में टाइटल जीत चुके हैं। वह इस सीजन में फाइनल में अपने परफेक्ट रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना चाहेंगे।

रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव का फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर जेवरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। सिनर ने चौथे सीड जेवरेव को 6-2, 6-4 से हराकर सेमी-फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। इटैलियन खिलाड़ी ने बेसलाइन से कॉन्फिडेंस के साथ स्ट्राइक किया और अपनी पहली सर्व के पीछे 83 प्रतिशत अंक जीते। इस जीत ने जेवरेव पर सिनर की लगातार छठी टूर-लेवल जीत को मार्क किया और इंडियन वेल्स फाइनल में उनकी पहली एंट्री पक्की कर दी। वह टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी बन गए हैं।

भारत अंडर 17 महिला टीम की म्यांमार पर रोमांचक जीत

यंगून। पामेला कोंटी के सब्स्टीट्यूट ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें इंडियन अंडर 17 महिला टीम ने शनिवार को यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से दूसरे मैच में म्यांमार को 3–2 से हराकर शानदार वापसी की। पहले हाफ के आखिर में मेज़बान टीम ने ह्विन विंट वार क्याव (12′) और मिन हटोन मे ज़टिर (45′) की मदद से बढ़त बनाई, जिन्होंने अल्वा देवी सेनजाम (33′) के बराबरी के गोल के बाद गोल किए। दूसरे हाफ में, इंडिया की सब्स्टीट्यूट अनुष्का कुमारी (88′) और जोया (90 1′) ने कमबैक जीत पूरी की। यह मैच आने वाले एफसी अंडर 17 महिला एशियन कप के लिए इंडिया की तैयारियों का हिस्सा था, जो 1 मई से 17 मई तक चीन के सूज़ौ में होना है। म्यांमार, जिसने कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफ़ाई किया है, इन मैचों का इस्तेमाल अपनी तैयारियों के हिस्से के तौर पर कर रहा है। इंडिया ने इससे पहले गुरुवार को पहला फ्रेंडली मैच 2–0 से जीता था।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना मुश्किल, यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है : इरफान पठान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि एमएस धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग (सीएसके) और इंडिन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि आईपीएल 2026 संभवतः धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। पठान ने एक बातचीत में कहा कि धोनी अब टीम के भविष्य को तैयार करने की भूमिका निभा सकते हैं और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व के लिए तैयार करेंगे। पठान के अनुसार, धोनी की मौजूदगी मैदान के अंदर ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम के लिए बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि भले ही यह साफ नहीं है कि धोनी इस सीजन में कितने मुकाबले खेलेंगे, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। पठान का मानना है कि धोनी फ्रेंचाइजी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में सजू सैमसन और रुतुराज ग्वायकाड़ जैसे खिलाड़ियों को नेतृत्व समूह का हिस्सा बनाया जा सकता है। रुतुराज पहले से ही टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी और संभावित लीडर माने जाते हैं। पठान के मुताबिक फ्रेंचाइजी भविष्य को ध्यान में रखते हुए दो या तीन खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी के लिए तैयार कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों में टीम मजबूत बनी रहे।

वेल्स को 3–0 से हराकर उरुग्वे हॉकी विश्वकप क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर

हैदराबाद। उरुग्वे ने शनिवार को पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3–0 से हराकर एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालिफायर 2026 में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया। आज यहां जी. एम. सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड (गाचीबॉवली हॉकी कॉम्प्लेक्स) में उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3–0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए। दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1–1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2–1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने संन्यास लिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। 38 साल के सरफराज के संन्यास लेने की पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी की है। सरफराज पाकिस्तान के अकेले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम को जीत दिलायी है। सरफराज ने पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारुपों में खेला है। उन्होंने अपने करियर में 54 टेस्ट, 117एकदिवसीय और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने कुल 6,164 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेटकीपर के तौर पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने विकेट के पीछे 315 कैच और 56 स्टंपिंग की।

सरफराज ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 क्रिकेट में नंबर-1 रैंकिंग हासिल की। इसके अलावा टीम ने लगातार 11 टी20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया और कई टीमों के खिलाफ क्लीन स्वीप किया।

सरफराज ने टीम को 2017आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत दिलायी थी। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ सरफराज पाकिस्तान के पहले कप्तान बने जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता।

सरफराज की कप्तानी में टीम ने आईसीसी अंडर -19 विश्वकप में भी जीत दर्ज की थी।

2007 में किया था डेब्यू, 2023 में खेला आखिरी मैच

सरफराज अहमद ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2007 में वनडे के रूप में खेला था। वहीं उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था।संन्यास की घोषणा करते हुए सरफराज अहमद ने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। उन्होंने अपने साथियों, कोच, परिवार और फैंस का धन्यवाद किया।

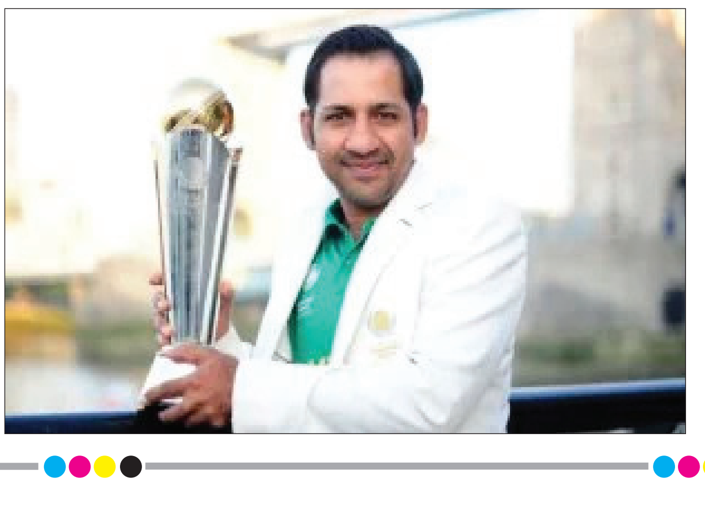

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी पुलिस ने मार गिराए छह आतंकवादी

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस के आतंकवाद विरोधी विभाग ने शुक्रवार देर रात अशांत उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के दौरान छह आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवत जिले के शगाई क्षेत्र में चलाया गया था। उन्होंने बताया कि जब सीटीडी टीम आतंकवादियों के ठिकाने के पास पहुंची तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। उन्होंने आगे बताया कि गोलीबारी एक घंटे तक चली और छह आतंकवादियों के मारे जाने के साथ समाप्त हुई। प्रवक्ता ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद उनके मददगारों और सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आतंकवादियों के पास से मैगजीन और गोला-बारूद सहित चार क्लाशिनकोव राइफलें, दो 9 मिमी पिस्तौल, आठ हथगोले और एक विस्फोटक उपकरण बरामद किया गया।

ईरान-इजरायल जंग के बीच उत्तर कोरिया ने दागीं 10 बैलिस्टिक मिसाइलें! अलर्ट हुए पड़ोसी देश

प्योंगयांग, एजेंसी। एक तरफ मिडिल-ईस्ट में 15 दिनों से जंग जारी है, तो वहीं दूसरी तरफ नॉर्थ कोरिया भी किसी युद्ध की तैयारी में नजर आ रहा है। नॉर्थ कोरिया ने शनिवार को अपने पूर्वी तट से समुद्र की ओर मिसाइलें दाग दीं हैं. साउथ कोरियाई सेना और जापान सरकार ने 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागने की पुष्टि की है. इससे पहले उत्तर कोरिया ने 27 जनवरी को पूर्वी सागर की ओर कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं. साउथ कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने बताया कि उसने दोपहर करीब 1:20 बजे नॉर्थ कोरिया के सुनान इलाके से दागी गई मिसाइलों का पता चला. ये इस साल नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई तीसरी बैलिस्टिक मिसाइल थी. जेसीएस ने कहा, 'हमारी सेना पूरी तरह से तैयार है और अमेरिका और जापान के साथ नॉर्थ कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल से जुड़ी जानकारी साझा कर रही है. साथ ही, अतिरिक्त मिसाइलों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है.' जापान सरकार ने भी इस घटना पर कड़ी नजर रखी है. जापान की ओर से भी कहा गया कि नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई चीज बैलिस्टिक मिसाइल हो सकती है. जापान के कोस्ट गार्ड ने बताया कि नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई ये संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलें पहले ही समुद्र में गिर चुकी हैं. नॉर्थ कोरिया का ये ताजा परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब साउथ कोरिया और अमेरिका अपना वार्षिक वसंत सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' कर रहे हैं. नॉर्थ कोरिया अक्सर इन सैन्य अभ्यासों का विरोध करता है और इन्हें युद्ध की तैयारी मानता है. ऐसे में मिसाइल लॉन्च अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास के जवाब में अपनी सैन्य ताकत दिखाने की एक कोशिश हो सकती है.

अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए 'फर्जी लूट' का खेल, FBI ने 11 भारतीयों को किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा धोखाधड़ी और साजिश रचने के गंभीर आरोप लगे हैं और इन्हें एफबीआई ने गिरफ्तार किया है. अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, इन लोगों ने 'यू-वीजा' और ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए दुकानों में 'फर्जी डकैती' की साजिश रची थी. आरोपियों ने अमेरिका के विभिन्न राज्यों (मैसाचुसेट्स, केंटकी, ओहायो) में कन्वीनिएंस स्टोर और शराब की दुकानों पर फर्जी हथियारबंद डकैतियां करवाईं. इसका मकसद स्टोर पर मौजूद क्लर्कों को खुद को 'हिंसक अपराध का शिकार' दिखाने का मौका देना था. अमेरिका के कानून के मुताबिक, 'यू-वीज़ा' उन लोगों को मिलता है जो किसी अपराध के शिकार हुए हों और जांच में पुलिस की मदद करें. यह वीजा आगे चलकर ग्रीन कार्ड पाने का रास्ता साफ कर देता है. चार्जशीट के मुताबिक, डकैती के दौरान एक फर्जी 'लुटेरा' दुकान में घुसकर क्लर्क या मालिक को हथियार दिखाकर धमकाता और कैश रजिस्टर से पैसे लेकर फरार हो जाता था।

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच कतर में अस्थायी निकासी जारी, निर्देशों का पालन करने की सलाह

दोहा , एजेंसी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को देखते हुए कतर के गृह मंत्रालय ने शनिवार को बड़ी जानकारी दी। कतर के गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रालय स्पष्ट करता है कि पहले घोषित किए गए अस्थायी एहतियाती निकासी उपाय केवल निर्दिष्ट क्षेत्रों के उन निवासियों पर लागू होते हैं, जिन्हें राष्ट्रीय चेतावनी प्रणाली के माध्यम से जानकारी हुई है। प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए गए हैं।

ईरान ने दुबई को घोस्ट टाउन बना दिया! 'सबसे सुरक्षित' शहर छोड़ भागे अमीर, पीछे छूटे बेबस मजदूर

दुबई , एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग के कारण दुबई में अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। पहले दुनिया के सबसे सुरक्षित और चमकदार शहरों में शुमार दुबई अब लगभग खाली नजर आ रहा है। विदेशी निवासी और पर्यटक बड़े पैमाने पर शहर छोड़ चुके हैं, जबकि बीचेस, पार्टी पूल, बीच क्लब और रेस्तरां सुनसान पड़े हैं। केवल स्थानीय मजदूर वर्ग ही बचा हुआ है जो अब खाली जगहों पर काम कर रहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, शहर की यह स्थिति ईरानी मिसाइलों और ड्रोन्स के हमलों से पैदा हुई है।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद, ईरान ने पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। यूएई (अबू धाबी और अन्य इलाकों) में अमेरिकी बेस होने के कारण, ईरान ने यहां सैकड़ों ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इसी तनाव ने दुबई की चकाचौंध को खौफ में बदल दिया है। दुबई से सामने आ रहे वीडियो में चकाचौंध से भरा रहने वाला यह शहर किसी घोस्ट टाउन जैसा दिख रहा है।

ईरान के हमलों का असर: 1700 मिसाइल-ड्रोन, लेकिन 90% रोक दिए गए ईरान ने अमेरिकी-इजराइली हमलों के जवाब में पिछले दो हफ्तों में लगभग 1700 मिसाइलें और ड्रोन दुबई समेत यूएई पर दागे। यूएई की एयर डिफेंस सिस्टम ने करीब 90% हमलों को रोक लिया, लेकिन गिरते

मलबे (डेब्री) ने बड़ा नुकसान पहुंचाया। बुर्ज अल अरब होटल, फेयरमॉन्ट द पाम, दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर, दुबई एयरपोर्ट और कई स्काईस्क्रेपर्स को नुकसान पहुंचा। एयरपोर्ट पर दो ड्रोनों के गिरने से चार लोग घायल हुए और उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गईं। दुबई मीडिया ऑफिस ने शुरुआत में कोई घटना नहीं हुई कहा, लेकिन तस्वीरें और रिपोर्ट्स ने सच्चाई उजागर कर दी।

शहर खाली क्यों? एक्सपैट्स ने सामान बांधा, पालतू जानवर सड़कों पर छोड़े: द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में रहने वाले हजारों अमीर विदेशी निवासी और पर्यटक शहर छोड़ चुके हैं। स्कूलों की स्प्रिंग ब्रेक शुरू होने के बावजूद पश्चिमी बच्चे नदारद हैं। बीच क्लबों और रेस्तरां में सन लाउंजर्स खाली पड़े हैं, जबकि पहले यहां इन्फ्लुएंसर्स और टूरिस्टों की भीड़ रहती थी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कई विदेशी निवासियों ने कहा कि जन-जीवन लगभग सामान्य है, लेकिन फोन पर शेल्टर अलर्ट, आसमान में फ्लैश और गिरते डेब्री की आग सब कुछ बदल देती है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, पश्चिमी देशों के पेशेवर और रईस लोग चार्टर्ड फ्लाइट्स के जरिए भारी रकम चुकाकर भाग रहे हैं। रातों-रात शहर छोड़ने की जल्दबाजी में कई लोग अपने पालतू जानवरों तक को सड़कों पर लावारिस छोड़ रहे हैं। एयरपोर्ट पर उड़ानें सीमित हैं, जिससे हजारों लोग फंस गए थे। अमेरिका ने अपने नागरिकों को निकालने के लिए चार्टर फ्लाइट्स शुरू की हैं। टूरिज्म धड़ाम, जुमेराह बीच वीरान 'गल्फ टाइम्स' के अनुसार मध्य पूर्व में इस युद्ध के कारण पर्यटन उद्योग को रोजाना करीब 600 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। जुमेराह बीच रेजीडेंस (छ्क्क्क), रेस्टोरेंट्स और दुबई मॉल जैसे इलाके, जहां पैर रखने की जगह नहीं होती थी, आज लगभग सुनसान पड़े हैं। दुनिया के सबसे बड़े फेरिस व्हील 'ऐन दुबई' के पहिए भी थम गए हैं। इस पूरी स्थिति का सबसे डरावना पहलू यह है कि जहां पैसे वाले लोग दुबई छोड़कर निकल गए, वहीं दक्षिण एशियाई देशों (भारत, पाकिस्तान, नेपाल आदि) के लाखों ब्लू-कॉलर वर्कर, टैक्सी ड्राइवर और होटल कर्मचारी यहीं फंस गए हैं। काम ठप होने से इनकी सैलरी रुक गई है और फ्लाइट्स का किराया तीन गुना तक बढ़ जाने के कारण इनके लिए स्वदेश लौटना नामुमकिन सा हो गया है। राहत की बात यह है कि इस अस्थिरता के बीच भारत सरकार और एयरलाइंस के प्रयासों से 1 से 7 मार्च के बीच 52,000 से अधिक भारतीय नागरिक यूएई और खाड़ी देशों से सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। यूएई सरकार ने एयर डिफेंस को मजबूत किया और नागरिकों को आश्वासन दिया। लेकिन पुलिस ने चेतावनी दी है- हमले की तस्वीरें या वीडियो शेयर करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। अब तक 21 लोगों पर अफवाह फैलाने का केस दर्ज किया जा चुका है, जिनमें एक 60 वर्षीय ब्रिटिश टूरिस्ट भी शामिल है। ब्रिटिश एंबेसी ने नागरिकों को सावधान किया है।

खार्ग द्वीप पर अमेरिका का हमला: ट्रंप का दावा- ईरान के सभी सैन्य ठिकाने तबाह, होर्मुज को लेकर भी दी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप की तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े।

खार्ग द्वीप क्यों है इतना अहम : खार्ग द्वीप ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह फारस की खाड़ी में स्थित एक बड़ा तेल निर्यात केंद्र है। यहां से ईरान का बड़ा हिस्सा तेल दुनिया के अलग-अलग देशों को भेजा जाता है। यही कारण है कि इस द्वीप को ईरान की ऊर्जा व्यवस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ट्रंप ने तेल ढांचे को क्यों नहीं निशाना बनाया राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास इतनी

ताकत है कि वह द्वीप के पूरे तेल ढांचे को भी नष्ट कर सकती थी। लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला लिया। ट्रंप के अनुसार यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित होने से बचाने और मानवीय कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया। ट्रंप ने साफ कहा कि यदि ईरान या कोई अन्य देश होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालता है तो अमेरिका अपना फैसला बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अमेरिका खार्ग द्वीप के तेल ढांचे को भी निशाना बनाने पर विचार करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने अमेरिकी सेना को दुनिया की सबसे शक्तिशाली और घातक सैन्य ताकत बना दिया है। उनका कहना है कि ईरान के पास अमेरिका के हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकेगा। उन्होंने ईरानी सेना और उससे जुड़े समूहों से हथियार डालने की अपील भी की। ट्रंप के अनुसार अगर ईरान संघर्ष को जारी रखता है तो उसके लिए हालात और कठिन हो सकते हैं।

जेडी वेंस का दावा- ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका का सैन्य अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका एक सैन्य अभियान चला रहा है, जिसे आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के नाम से जाना जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से विदेशों में तैनात सैनिकों के लिए प्रार्थना करने का भी आग्रह किया। रॉकी माउंट में एक संबोधन के दौरान जेडी वेंस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना है। उन्होंने दोहराया कि यह राष्ट्रपति की कही हुई बात है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान पर हमले की बताई वेंस ने वजह वेंस ने यह भी कहा कि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की थीं, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उन्होंने इस सिद्धांत को सरल और सीधा बताते हुए कहा कि हर राष्ट्रपति ने इस पर विश्वास व्यक्त किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। जेडी वेंस ने विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों के जोखिमों को भी स्वीकार किया और लोगों से प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उत्तरी कैरोलिना के कई लोग इस समय खतरे में हैं। उन्होंने सभी से, न केवल उत्तरी कैरोलिना के लोगों के लिए, बल्कि हमारे सभी 50 राज्यों के उन लोगों के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया, जो वर्दी पहनते हैं और अमेरिका की सुरक्षा, संरक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकों को उन लोगों का समर्थन दिखाना चाहिए, जो अमेरिका की सुरक्षा, संरक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने को तैयार हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को बताया कि उन्हें लगता है कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं, लेकिन घायल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ईरान को 'तबाह' कर रहा है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की तबीयत बिगड़ी

ब्राज़ीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बोल्सोनारो को निमोनिया हो गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राजधानी ब्रासीलिया के एक अस्पताल ने शुक्रवार को जानकारी दी कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार 70 वर्षीय बोल्सोनारो को तेज बुखार, पसीना, ठंड लगना और ऑक्सीजन का स्तर कम होने जैसी समस्याएं हो रही थीं। जांच में पता चला कि उन्हें ब्रोंकोनिमोनिया है, जो निमोनिया का एक प्रकार होता है और आमतौर पर बैक्टीरिया के कारण होता है।

बोल्सोनारो के स्वास्थ्य को लेकर उनके डॉक्टर ब्रासील कायाडो ने पत्रकारों से कहा कि 70 साल से अधिक उम्र के लोगों में निमोनिया हमेशा गंभीर माना जाता है। उन्होंने बताया कि अगर बैक्टीरिया खून में पहुंच जाए तो

यह सेप्टीसीमिया (खून में संक्रमण) में बदल सकता है, जिससे स्थिति और खतरनाक हो सकती है।

जेल से अस्पताल ले जाया गया : इससे पहले उनके बड़े बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनके पिता को जेल से अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह बोल्सोनारो को ठंड लग रही थी और उल्टी भी हो रही थी। फ्लावियो ने लोगों से अपील करते हुए लिखा कि उनके पिता के लिए प्रार्थना करें ताकि बीमारी ज्यादा गंभीर न हो।

बोल्सोनारो क्यों हैं जेल में : दरअसल, जेयर बोल्सोनारो इस समय 27 साल की सजा काट रहे हैं। पिछले साल ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के जजों के एक पैनल ने उन्हें 2022 के चुनाव के बाद सत्ता पलटने की साजिश में दोषी ठहराया था। उन पर आरोप है कि चुनाव हारने के बाद उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गिराने की कोशिश की। इस मामले की सुनवाई सर्वोच्च संघीय न्यायालय में हुई थी।

घर में सजा काटने की मांग : बोल्सोनारो के परिवार वाले लगातार मांग कर रहे हैं कि उन्हें जेल की बजाय घर में रहकर सजा काटने की अनुमति दी जाए। परिवार का कहना है कि जेल में उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिल रहा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन मांगों को खारिज कर दिया है। उनके बेटे ने भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि सिस्टम उनके पिता को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि अदालत ने इन आरोपों को गलत बताया है।

पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती : गौरतलब है कि बोल्सोनारो पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। 2018 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में उन पर चाकू से हमला हुआ था, जिसके बाद से उन्हें कई बार सर्जरी और इलाज कराना पड़ा। इस साल जनवरी में भी उन्हें बिस्तर से गिरने के बाद दिमाग की जांच के लिए इसी अस्पताल में लाया गया था। इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी ध्यान मिला था। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्राजील पर टैरिफ लगाने का फैसला किया था और कहा था कि बोल्सोनारो के खिलाफ चल रही न्यायिक कार्रवाई विच हंट यानी राजनीतिक बदले की कार्रवाई जैसी है। हालांकि बाद में इन टैरिफ में से कई हटा दिए गए।

पहले रोका और अब पूरी दुनिया से रूस से तेल खरीदने की भीख मांग रहा अमेरिका: ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को रूसी तेल पर अमेरिका के रुख की आलोचना करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन अब दुनिया भर के देशों से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है, जबकि पहले उसने रूस से तेल न खरीदने का दबाव डाला था। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, अराघची ने कहा, 'अमेरिका ने भारत को रूस से तेल आयात बंद करने के लिए धमकाने में महीनों बिताए। ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध के बाद, व्हाइट हाउस अब दुनिया से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की भीख मांग रहा है।'

ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की आलोचना की : ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यूरोपीय देश बदले में रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। अराघची ने कहा, 'यूरोप ने सोचा था कि ईरान पर अवैध युद्ध का समर्थन करने से उन्हें रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन मिल जाएगा। यह बहुत ही दयनीय है।' इस बीच, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारत के झंडे वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (स्क्क्न) वाहक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब का तेल ले जा रहा एक कच्चा तेल टैंकर शनिवार को भारत पहुंचने की उम्मीद है, जो 1 मार्च के आसपास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा था।

ईरान ने भारत के जहाजों को होर्मुज से निकलने की दी अनुमति : इससे पहले, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने पुष्टि की थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की अनुमति देगा? तो फथाली ने कहा, 'हां। क्योंकि भारत और हम दोस्त हैं। मुझे लगता है कि दो या तीन घंटे बाद ऐसा हो जाएगा। हमारा मानना है कि ईरान और भारत दोस्त हैं। हमारे साझा हित हैं, हमारा साझा भाग्य है। उन्होंने कहा, 'भारत के लोगों का दुख हमारा दुख है और हमारा दुख भारत के लोगों का दुख है। और इसी वजह से, भारत सरकार हमारी मदद करती है, और हमें भारत सरकार की मदद करनी चाहिए, क्योंकि हमारा भविष्य और हमारे हित एक ही हैं।'

चीन की 'समुद्री दीवार'! ताइवान के पास हजारों जहाजों का जमावड़ा

बीजिंग, एजेंसी। स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) संकेतों के माध्यम से पता लगाए गए इन नौकाओं ने लगभग 30 घंटे तक तूफानी हवाओं के बीच अपनी स्थिति बनाए रखी। बताया जाता है कि चीनी नौकाएं ऐसी परिस्थितियों में परिचालन कर रही थीं, जिनके कारण दिसंबर में दक्षिण कोरियाई नौकाओं को बंदरगाह लौटना पड़ा था, और बाद में वे तितर-बितर हो गईं। हजारों चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाएं पूर्वी चीन सागर में ज्यामितीय आकृतियों में एकत्रित हो रही हैं। विशेषज्ञों का मानना ??है कि यह समन्वित कार्रवाई बीजिंग की संभावित क्षेत्रीय संकट या ताइवान के इर्द-गिर्द केंद्रित संभावित संघर्ष की तैयारियों का हिस्सा है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ताओं द्वारा विश्लेषण किए गए जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि लगभग 1,300 से 2,000 जहाजों ने ताइवान से लगभग 300 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में कम से कम दो मौकों पर लंबी समानांतर रेखाएं बनाईं। पहली घटना 25 दिसंबर, 2025 को और दूसरी 11 जनवरी, 2026 को हुई। स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) संकेतों के माध्यम से पता लगाए गए इन नौकाओं ने लगभग 30 घंटे तक तूफानी हवाओं के बीच अपनी स्थिति बनाए रखी। बताया जाता है कि चीनी नौकाएं ऐसी परिस्थितियों में परिचालन कर रही थीं, जिनके कारण दिसंबर में दक्षिण कोरियाई नौकाओं को बंदरगाह लौटना पड़ा था, और बाद में वे तितर-बितर हो गईं। ये समुद्री नौकाओं का समूह 2016 की एक पिछली घटना से कहीं अधिक बड़ा था, जिसमें लगभग 200 से 300 चीनी नौकाएं जापान-प्रशासित सेनकाकू द्वीप समूह के पास इकट्ठा हुई थीं, जिन पर चीन अपना दावा करता है। यह जानकारी जापानी समाचार आउटलेट निक्केई ने दी। क्यूशू विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंध की प्रोफेसर और चीनी समुद्री नीति की विशेषज्ञ चिसाको मासुओ ने निक्केई को बताया मैंने पहले कभी इतने बड़े पैमाने पर नौकाओं के जमावड़े के बारे में नहीं सुना। मासुओ ने आगे कहा इसे जापान और ताइवान पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा सकता है। उपग्रह विश्लेषण फर्म इंजीनीस्पेस के मुख्य परिचालन अधिकारी जेसन वांग ने कहा कि यह समुद्री नौकाओं का समूह तुरंत ध्यान आकर्षित कर गया। एएफपी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे कुछ गड़बड़ लग रही थी क्योंकि प्रकृति में सीधी रेखाएं बहुत कम ही दिखाई देती हैं।

अमेरिका में एसआईआर जैसा कानून: वोट करने के लिए देना होगा नागरिकता का सबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार, ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए आलोचकों के निशाने पर है। इसके साथ ही घरेलू मोर्चे पर भी ट्रंप प्रशासन घिरा हुआ है और इसकी वजह है सेव कानून ('सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट')। इस कानून के तहत अमेरिका में भी अब लोगों को मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने के लिए अपनी नागरिकता का सबूत देना होगा। यह भारत की एसआईआर प्रक्रिया जैसा ही है। यही वजह है कि इसकी तुलना एसआईआर से की जा रही है।

क्या है सेव एक्ट : राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वे अमेरिकी चुनावी प्रक्रिया का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं। अभी अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया एक संघीय प्रणाली है जिसमें संविधान प्रत्येक राज्य को अपने-अपने तरीके से चुनाव कराने की छूट देता है। हालांकि अमेरिकी संविधान में प्रावधान है कि अमेरिकी कांग्रेस चुनाव नियमों में बदलाव कर सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप अपने विधायी बहुमत के दम पर चुनाव प्रक्रिया को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के बाद रिपब्लिकन पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहेगा।

मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता प्रमाण देना जरूरी होगा : प्रस्तावित कानून में मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता के प्रमाण के रूप में अपडेट ड्राइवर लाइसेंस, एक वैध अमेरिकी पासपोर्ट, या जन्म प्रमाण के साथ कोई अन्य वैध सरकारी फोटो आईडी या नागरिकता का प्रमाण दिखाना अनिवार्य होगा। अभी ईमेल के जरिए भी मतदाता पंजीकरण हो सकता है, लेकिन नए कानून के तहत लोगों को व्यक्तिगत तौर पर चुनाव अधिकारी कार्यालय जाकर पंजीकरण कराना होगा और अपने वैध दस्तावेज पेश करने होंगे।

साथ ही अमेरिका के हर राज्यों को अपने मतदाताओं की सूची अमेरिकी सुरक्षा विभाग के पास जमा करनी होगी। अमेरिकी सुरक्षा विभाग अपने डेटाबेस से इस मतदाता सूची का मिलान करेगा। साफ है कि इस प्रक्रिया से अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया केंद्रीकृत होगी।

जल्द सीनेट में पेश होगा विधेयक : 'सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट' (सेव एक्ट) फरवरी में प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित किया गया था और अब यह जल्द सीनेट में पेश किया जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सहयोगियों इसे पारित करने के लिए दबाव बना रहे हैं। वर्तमान में सीनेट में रिपब्लिकन का बहुमत है, 53-47, और प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट के 213 के मुकाबले 219 सीटें हैं। हालांकि कई रिपब्लिकन सांसद भी इसके विरोध में हैं।

लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा : विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी इसके विरोध में है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे विधेयक को सीनेट में पारित नहीं होने देंगे। मतदान अधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों का कहना है कि इस तरह का दस्तावेजीकरण लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित कर देगा और खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि दस मतदाताओं में से एक मतदाता जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट या नागरिकता प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज पेश नहीं कर सकेगा। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी जानबूझकर गैर-नागरिकों को मतदान का अधिकार दे रही है और यह अमेरिका की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने की एक साजिश है। वह इसे रोकने के लिए सेव एक्ट को जरूरी बता रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युद्ध संकट के चलते यूएई जाने वाली एअर इंडिया की दर्जनों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते युद्ध के संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई देशों द्वारा अपने वायु क्षेत्र (एयरस्पेस) को बंद करने और सुरक्षा कारणों से लगाई गई पाबंदियों का सीधा असर वैश्विक उड़ानों के शेड्यूल पर पड़ा है। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों में भारी कटौती की घोषणा की है। 15 मार्च 2026 के लिए निर्धारित कई एड-हॉक उड़ानों को अचानक रद्द करना पड़ा है, जिससे भारत और यूएई के बीच यात्रा करने वाले सैकड़ों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। एअर इंडिया के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के निर्देशों के कारण परिचालन को सीमित करना अनिवार्य हो गया है। दिल्ली-दुबई मार्ग पर एअर इंडिया की पांच में से चार निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और अब केवल एक ही रिटर्न फ्लाइट संचालित होगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है, जहाँ दुबई के लिए छह में से पांच और अबू धाबी के लिए निर्धारित सभी पांचों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। शारजाह और रास अल खैमाह के लिए दिल्ली, कोच्चि, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से कुछ सीमित उड़ानें संचालित करने की योजना है, लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये भी स्लॉट की उपलब्धता और तत्कालीन सुरक्षा स्थितियों पर निर्भर करेंगी। एयरलाइन ने यात्रियों को सख्त हिदायत दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। युद्ध के कारण बिगड़ते हालात ने न केवल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं, बल्कि खाड़ी देशों के बीच हवाई किराए में भी उछाल आने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रक से टकराई कार की टक्कर लगने से पदयात्रा कर रहे 21 वर्षीय जैन भिक्षु की मौत

-जैन समाज में शोक व्याप्त, मृतक को न्याय दिलाने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर जिले के पास रविवार तड़के एक सड़क हादसे में पदयात्रा पर निकले 21 साल के जैन भिक्षु नम्ररत्न विजय महाराज की मौत हो गई। यह दुर्घटना भालीवली गांव के पास उस समय हुई जब तेज रफ्तार कार के चालक ने पीछे से आए ट्रक की टक्कर के बाद नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पैदल चल रहे भिक्षु नम्ररत्न को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक नम्ररत्न विजय महाराज अपने साथियों के साथ पदयात्रा करते हुए सफाले के प्रतापधाम सतीवली से विरार के आगे स्थित महावीरधाम शिरसाद की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5:15 बजे जब वे भालीवली पुल के पास पहुंचे, तभी गुजरात की ओर से आ रही कार को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे सड़क किनारे चल रहे जैन भिक्षु से जा टकराई। घायल भिक्षु को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। नम्ररत्न विजय महाराज मूल रूप से गुजरात के निवासी थे और उनके निधन से जैन समुदाय में शोक की लहर है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कार चालक मानखुर्द निवासी आकाश ईश्वर आनंदवार है, जबकि ट्रक चालक सूरत का रहने वाला राजू सिंह तोमर है। दोनों चालकों को नोटिस जारी कर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना वाहन चालकों की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मामले की जांच जारी है। इस दुखद घटना के बाद जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय जैन समुदाय के सदस्यों ने मृतक को न्याय दिलाने की मांग की है। नम्ररत्न विजय महाराज ने 2020 में धर्मसूरी संप्रदाय में दीक्षा ली थी।

पाली में हाईटेंशन लाइन टूटने से 57 भेड़-बकरियों की मौत, पशुपालकों में मचा हड़कंप

पाली (एजेंसी)। ,राजस्थान के पाली जिले के बाली उपखंड के नाना थाना क्षेत्र में रविवार को एक गंभीर हादसा हुआ। भीमाना गांव की डाग फली में हाईटेंशन विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। इस दौरान पास ही चर रही भेड़-बकरियों में से 57 की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब स्थानीय पशुपालक अपने मवेशियों को चराने ले गए थे। अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिरा और उसमें प्रवाहित करंट के कारण भेड़-बकरियां इसकी चपेट में आ गईं। तेज करंट लगने से अधिकांश भेड़-बकरियां मौके पर ही दम तोड़ गईं। हादसे के समय वहां मौजूद पशुपालकों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत वहां से भागना शुरू किया। बताया गया है कि इस दौरान एक पशुपालक को चोट भी आई है, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। तार गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

दिल्ली में गैस सिलेंडर संकट से हाहाकार, 700 रुपये 'दिहाड़ी' पर लाइन में लगने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल के दिनों में गैस एजेंसियों और गोदामों में लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आई हैं। शास्त्री पार्क और न्यू सीलमपुर के गोदामों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग बुकिंग करने के बजाय खुद सिलेंडर लेने और कतार में खड़े रहने को मजबूर हैं। गोदामों में सुबह पांच-छह बजे से ही लाइनें लगना शुरू हो जाती हैं, जबकि एजेंसियां आधिकारिक तौर पर 9:30 बजे खुलती हैं। सिलेंडर स्टॉक कम होने और अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण लोगों में अफरा-तफरी फैल गई है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सीधे गोदाम पहुंचे और वहां लंबी कतार में खड़े होकर सिलेंडर लेने लगे। गोदाम पर एक मामले ने माहौल और गर्म कर दिया। एक शख्स ने अपने साथी को लाइन में खड़ा करने के लिए 700 रुपये की दिहाड़ी ली। उसने कहा कि वह रोजा रखे है इस कारण उसने अपने लिए लाइन में दूसरे को पैसार देकर खड़ा किया है। इससे आसपास खड़े लोग चौंक गए, लेकिन कई ने इसे व्यवस्था का एक उपाय माना। लोगों की नाराजगी और मुश्किलों की एक वजह डिलीवरी बॉय की भी है। एक डिलीवरी बॉय ने मीडिया को बताया कि बिगड़ते हालात में घर-घर सिलेंडर पहुंचाना जोखिम भरा हो गया है। हाल ही में ब्रह्मपुरी रोड पर सिलेंडर ले जाने वाले डिलीवरी बॉय को बीच रास्ते में रोककर उससे जबरन सिलेंडर लूट लिया गया और 1000 रुपये फेंककर भाग गए।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज, शिवानंद तिवारी के बयान से सियासत गरम

एनडीए में संभावित बदलाव की चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति इन दिनों नए मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की प्रक्रिया में आने के बाद से ही सवाल उठने लगे हैं कि उनके बाद बिहार की कमान किसके हाथ में होगी। इस बीच वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी के एक बयान ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी है।

दरअसल, शिवानंद तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर दावा किया है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से हो सकता है। तिवारी के मुताबिक भाजपा में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह सम्राट चौधरी हैं। तिवारी ने पोस्ट करते हुए कहा, कि भाजपा ने पहले की तुलना में संगठन और सरकार में सम्राट चौधरी की भूमिका को काफी मजबूत किया है। फिलहाल वे बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि पार्टी के भीतर उनकी पकड़ मजबूत है और केंद्रीय नेतृत्व का भी उन पर भरोसा दिखाई देता है। हाल ही में उन्हें दिल्ली बुलाए जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और बल दिया है।

शिवानंद तिवारी ने बिहार की राजनीति के सामाजिक समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव से राजनीतिक रास्ते अलग हुए तो नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने मिलकर समता पार्टी बनाई थी। उस समय यादव-मुस्लिम समीकरण के मुकाबले एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार करने की जरूरत थी। इसी दौर में 'लव-कुश' यानी कुर्मी और कुशवाहा समुदाय का राजनीतिक समीकरण सामने आया, जो आगे चलकर नीतीश कुमार की राजनीति का मजबूत आधार बना।

हाल के दिनों में नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान भी कुछ राजनीतिक संकेत देखने को मिले हैं। कई कार्यक्रमों में सम्राट चौधरी उनके साथ प्रमुख रूप से नजर आए। पूर्णिया के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार द्वारा सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें आगे बढ़ाने की घटना को भी राजनीतिक विश्लेषक प्रतीकात्मक संकेत के तौर पर देख रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ते हैं तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के भीतर नई सत्ता व्यवस्था बन सकती है और मुख्यमंत्री पद भाजपा के हिस्से में जा सकता है। हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं, जैसे नित्यानंद राय का नाम भी समय-समय पर चर्चा में आता रहा है, लेकिन फिलहाल सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव और आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम पर सबकी नजर टिकी हुई है। अंततः यह तय हे कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की शुरुआत होगी।

बीजेपी तमिलनाडु में चुनाव से पहले टीवीके को एनडीए गठबंधन में चाहती है जोड़ना

-एक राज्य के डिप्टी सीएम को बनाया बिचौलिया, विजय चाहते हैं सीएम बनना

नई दिल्ली (एजेंसी) तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और टीवीके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। बीजेपी की कोशिश है कि अभिनेता विजय की पार्टी को एनडीए के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए पार्टी कई रास्तों से विजय से संपर्क कर रही है, जिसमें दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री को बिचौलिया बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया कि विजय को एक बड़ा ऑफर दिया गया है। अगर गठबंधन चुनाव जीतता है, तो विजय को उपमुख्यमंत्री का पद मिल सकता है।

साथ ही सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी ने उनकी पार्टी को करीब 80 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। पेंच अभी इस बात पर फंसा है कि विजय खुद सीएम बनना चाहते हैं और इसी मुद्दे पर बातचीत अटकी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी को लगता है कि विजय के प्रशंसकों की भारी संख्या तमिलनाडु चुनाव में खेल कर सकती है। रणनीतिकारों का मानना है कि राज्य के कड़े मुकाबले में अगर सिर्फ 2 फीसदी वोट भी इधर-उधर होते हैं, तो जीत-हार का फैसला बदल सकता है। विजय के आने से बीजेपी को राज्य के चुनावी समीकरण अपने पक्ष में मुड़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर विजय के करीबी सलाहकारों में इस गठबंधन को लेकर थोड़ी बेचैनी है। उन्हें डर है कि इतनी जल्दी किसी बड़े राष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनने से उनकी पार्टी की साख पर बुरा असर पड़ सकता है। विजय ने राजनीति में अपनी पहचान एक नए और स्वतंत्र विकल्प के रूप में बनाई है। सलाहकारों को चिंता है कि बीजेपी से हाथ मिलाने पर उनकी यह अलग पहचान कहीं फीकी न पड़ जाए।

मोदी सरकार वांगचुक के परिवार और लद्दाख के लोगों से मांगे माफी

-कांग्रेस ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर कहा- केंद्र सरकार हुई बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे सरकार का 'यू-टर्न' बताते हुए कहा कि सरकार को वांगचुक ही नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों से भी माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने वांगचुक मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी की है। इसमें उन्होंने कहा, कि छह महीने पहले पूरी तरह से फर्जी आधार पर की गई गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने उस समय भी कड़ी आपत्ति जताई थी। अब सरकार द्वारा हिरासत रद्द किए जाने से यह साफ हो गया है कि उसका फैसला गलत था।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की, कि उसने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को लगभग छह महीने पहले लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद एनएसए लगाकर गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा, कि मोदी सरकार का यह फैसला उसके पहले के रुख से पूरी तरह अलग है। उन्होंने लिखा कि सरकार अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और उसे अपनी गलती स्वीकार करते हुए सोनम वांगचुक तथा उनके परिवार से माफी मांगनी चाहिए। इसी के साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि उन सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाए जिन्हें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में लिया गया था। कांग्रेस नेता का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और सरकार को इसका सम्मान करना चाहिए। कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे

-कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने किया विश्लेषण-युद्ध क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के वैश्विक प्रभावों पर चिंता जताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि इस युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे। उन्होंने अपने विश्लेषण में लिखा कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दो सप्ताह के अंदर ईरान को भारी तबाही का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह पराजित नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में चिदंबरम के मुताबिक युद्ध के शुरुआती चरण में ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को बड़ा नुकसान हुआ, हालांकि इसके बाद देश ने तेजी से नया राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व स्थापित कर लिया। इस बीच अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व पर हमलों के बाद भी संघर्ष जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत सनंदाज और इस्फहान जैसे शहरों पर भारी बमबारी की गई, जिसमें हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल के स्कूल पर हमले से बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत की हुई है।

उन्होंने कहा कि युद्ध में केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल प्रक्षेपण ठिकानों, सैन्य अड्डों, नौसेना की संपत्तियों और हवाई सुरक्षा प्रणाली के साथ-साथ घरों, स्कूलों, अस्पतालों और तेल भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रणाली, विलवणीकरण संयंत्र और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

चिदंबरम के मुताबिक युद्ध की पृष्ठभूमि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया है, हालांकि इस दावे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्वतंत्र जांच करवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की राजनीति में इजराइल की भूमिका और क्षेत्रीय संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। भारत ने 1950 में इजराइल को मान्यता दी थी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद व्यापार और रक्षा सहयोग में तेजी आई।

चिदंबरम के मुताबिक इस युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, इसका असर भारत समेत कई देशों में एलपीजी और ईंधन की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। साथ ही वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और महंगाई बढ़ने का खतरा भी गहरा गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध हमेशा क्रूर और विनाशकारी होता है। मशहूर अमेरिकी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए चिदंबरम ने कहा कि युद्ध अक्सर क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है। चिदंबरम ने चेतावनी दी कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मिली राहत, राजस्थान और बिहार समेत कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में रविवार सुबह हुई अचानक बारिश ने भीषण गर्मी के बीच लोगों को बड़ी राहत दी है। दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी से तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने राजधानी के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए रविवार को दिन भर हल्की बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान जताया है। इस बदलाव से गर्मी के बढ़ते ग्राफ पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहे एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण आया है। इसके प्रभाव से मध्य पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब व हरियाणा के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र विकसित हुआ है। इसे इस सीजन की पहली प्री-मानसून बारिश माना जा रहा है, जो सामान्य समय से लगभग 10 दिन पहले आई है। पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे उच्च तापमान और इस विक्षोभ के मिलन से आंधी-तूफान की स्थिति बनी है, जिससे अगले दो दिनों तक दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

अहमदाबाद विमान हादसा: अमेरिकी सुरक्षा संगठन ने जांचकर्ताओं पर लगाए दस्तावेज छिपाने के आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। जून 2025 में हुए भीषण अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। अमेरिका के एक प्रमुख हवाई सुरक्षा संगठन, एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस दुर्घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंपे ही नहीं गए थे। संगठन का कहना है कि इन तथ्यों के अभाव में की गई जांच की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

पियरसन ने विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी) का जिक्र करते हुए कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि इस विमान के इलेक्ट्रिक सिस्टम में काफी समय से गंभीर खराबी चल रही थी। उनके अनुसार, दुर्घटना का शिकार होने से पहले इस विमान में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने, धुआं निकलने और वायरिंग में दिक्कतों की शिकायतें दर्ज की गई थीं।दावे के मुताबिक,

विमान को उसके परिचालन के दौरान कई बार इलेक्ट्रिक फाल्ट की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा भी जा चुका था। पियरसन ने यह भी खुलासा किया कि विमान का पी100 पावर पैनल कई बार बदला गया था, जो कि एक असामान्य बात है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि विमान के बाएं इंजन से बिजली की आपूर्ति होती थी और इस पूरे सिस्टम को तत्काल डिजाइन मोडिफिकेशन और सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन की जरूरत थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। अमेरिकी विशेषज्ञ ने जांच प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने घटना से नौ महीने पहले तक सुधार के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि जांचकर्ताओं ने पूरे मामले को एक खास दिशा में मोड़ दिया और ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार किया जिससे हादसे की पूरी जिम्मेदारी तकनीकी खामी के बजाय पायलटों पर डाल दी गई। इन नए खुलासों के बाद अब विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग फिर से तेज होने लगी है। बता दें कि जून 2025 में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 260 लोगों की जान चली गई थी। अब इस मामले में नया मोड़ देते हुए एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ईडी पियरसन ने जांचकर्ताओं को एक ईमेल भेजा है। पियरसन का दावा है कि उनके हाथ कुछ ऐसे गुप्त दस्तावेज लगे हैं, जो स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि विमान दुर्घटना का असली कारण इलेक्ट्रिक फेल्योर (बिजली की विफलता) था।

विपक्ष की मांग: पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी तक केंद्र की थी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और यहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर

तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलवक्त तक इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल हैं। राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है।कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

गुजरात के अभियोजन निदेशक अंबालाल आर. पटेल ने किया लक्ष्मीपति मिल का दौरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,गुजरात सरकार के अभियोजन निदेशक (Director of Prosecution) अंबालाल आर. पटेल ने आज सूरत के पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी भी उपस्थित रहीं।

इस दौरान पटेल ने लक्ष्मीपति ग्रुप के प्रबंध निदेशक (MD) संजय सरावगी से शिष्टाचार मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान दोनों के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों और टेक्सटाइल उद्योग की बारीकियों पर चर्चा हुई उन्होंने मिल की कार्यप्रणाली और वहां उपयोग की ज रही आधुनिक तकनीक का अवलोकन किया।

उन्होंने लक्ष्मीपति ग्रुप द्वार टेक्सटाइल क्षेत्र में किए ज रहे नवाचारों और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन की सराहना की साथ ही उन्होंने लक्ष्मीपति ग्रुप की

विकास यात्रा और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से समझा।

एक हज़ार निराश्रित महिलाओं को राशन किट का किया वितरण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में शनिवार को श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा एक हज़ार निराश्रित महिलाओं को राशन किट का वितरण किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि हमारे लोकलाड़ले संसद एवं केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल साहब के

जन्मदिन के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर अनेकों सेवा कार्य किए जाते है। उसी श्रृंखला में निराश्रित महिलाओं को एक महिने का सम्पूर्ण राशन का वितरण किया गया। राशन किट के साथ सभी को प्रसाद का डब्बा एवं नकद राशि भी दी गई। इस अवसर पर सी आर पाटिल साहब ने श्याम मंदिर में बाबा के दर्शन किए। आयोजन में ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका के अलावा अनेकों कार्यकारिणी सदस्य एवं दानदाता उपस्थित रहें।